RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

मेरिट वाले तो महज, होते हैं दो-चार।
कैश-सिफारिश के धनी, बैठे कई हजार।
बैठे कई हजार, हमारा ही है बहुमत।
खारिज यूं मत करें, बनाते हम ही जनमत।
कह साहिल कविराय, हमीं लाते हरियाली।
मेरिट-वेरिट जहां, वहां केवल कंगाली।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 200 | WEDNESDAY DATE 12-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

झारखंड के छात्र आंदोलन पर घिरे राहुल गांधी, भाजपा ने लगाया दोहरा रवैया अपनाने का आरोप

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त**

भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर छात्र आंदोलनों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि कांग्रेस जहां नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाती है, वहीं झारखंड में इसी तरह के छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई पर अपेक्षाकृत नरम रुख दिखा रही है जबकि वहां कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड के मुद्दे पर खुद से कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया और मीडिया के सवाल पूछने के बाद ही अपनी पार्टी की स्थिति सामने रखी। वहीं, संसद परिसर में वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भी इस मुद्दे पर जवाब मांगा गया। संसद में प्रवेश के दौरान प्रियंका गांधी को प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई के बावजूद राहुल गांधी झारखंड नहीं गए।

ई-मार्केटप्लेस से पारदर्शी हुई सरकारी खरीद प्रक्रिया : मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को कहा कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पारदर्शी प्रक्रियाओं, व्यापक भागीदारी और बेहतर अवसरों के माध्यम से भारत में सार्वजनिक खरीद को बदल रहा है। साथ ही, व्यवसायों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 9 अगस्त 2016 को लॉन्च होने के बाद से सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म द्वारा की गई प्रगति पर लिखे गए एक लेख को साझा किया। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, 'पारदर्शी खरीद, व्यापक भागीदारी और बेहतर अवसर...इसी तरह सरकारी ई-मार्केटप्लेस इंडिया सार्वजनिक खरीद

प्रक्रिया में बदलाव ला रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के विकास में प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इसने देश में व्यापार करने में आसानी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने पिछले 10 वर्षों में अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी खरीद प्रणाली के निर्माण में मदद की है।

उन्होंने कहा, 'प्रौद्योगिकी को केंद्र में रखते हुए सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म ने पिछले 10 वर्षों में अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर विशेष रूप से एमएसएमई और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाकर 'व्यवसाय करने में आसानी' को मजबूत किया है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मंच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के साथ-साथ महिला उद्यमियों को सरकारी खरीद के अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गोयल के लेख को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे इस मंच की उपलब्धियों और भारत में सार्वजनिक खरीद के आधुनिकीकरण में इसकी भूमिका को गहराई से समझ सकें।

विधानसभा का पहला दिन आपसी लड़ाई में बर्बाद, जरूरी मुद्दों पर नहीं हुई चर्चा: देवेंद्र यादव

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने विधानसभा सत्र को लेकर सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधा और साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा का पहला दिन आपसी लड़ाई में बर्बाद हो गया और राजधानी के अहम मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही है।

देवेंद्र यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'इस विधानसभा सत्र में कई जरूरी मुद्दों पर काम होना था। मुझे लगता है कि पहला दिन तो उनकी आपसी लड़ाई में ही बर्बाद हो गया। मुझे दूसरे और तीसरे दिन से भी ज्यादा उम्मीद नहीं है।' उन्होंने हाल ही में राजधानी में छात्रों के हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि उस मुद्दे पर विधानसभा में कोई चर्चा ही नहीं हुई।

संक्षिप्त खबरें

प्लास्टिक कचरे से बन सकेगा 3डी प्रिंटर का फिलामेंट, शोधकर्ताओं को मिला पेटेंट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला के शोधकर्ताओं ने सिर्फ करीब 45,000 रुपए की लागत में ऐसी एक्सट्रूडर प्रणाली विकसित की है, जो प्लास्टिक कचरे से 3डी प्रिंटिंग के लिए मजबूत कंपोजिट फिलामेंट बना सकती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इस तकनीकी शिक्षण संस्थान ने इस का पेटेंट भी हासिल कर लिया है। दरअसल जहां सामान्य प्रिंटर में 'स्याही' का इस्तेमाल होता है वहीं 3डी प्रिंटर में फिलामेंट होता है। आज 3डी प्रिंटिंग का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में फिलामेंट से शरीर के मॉडल और कृत्रिम अंग बनाने से लेकर ड्रोन के पुर्जे, ब्रैकेट, खिलौने और सजावटी सामान तक बनाए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें पुनर्चक्रित प्लास्टिक के साथ दूसरी सुदृढ़ीकरण सामग्री मिलाई जा सकती है। इससे तैयार फिलामेंट ज्यादा मजबूत और टिकाऊ बनता है। इससे नए प्लास्टिक पर निर्भरता घटेगी और प्लास्टिक कचरे का दोबारा उपयोग बढ़ेगा।

असम राइफल्स और पुलिस ने 13 करोड़ की मॉर्फिन जब्त की, ड्रग तस्कर को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी, यूटर्न/ 11 अगस्त । असम राइफल्स और असम पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए असम के श्रीभूमि जिले में एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को पकड़ा है और लगभग 13 करोड़ रुपए कीमत की 8.224 किलोग्राम मॉर्फिन जब्त की है। श्रीभूमि जिले के बदरपुर में स्पीयर कॉर्प्स के तहत असम राइफल्स और असम पुलिस ने मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया। नशीले पदार्थों की आवाजाही के बारे में मिली खास जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों और पुलिस ने इलाके में एक कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन चलाया और एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को पकड़ा। ऑपरेशन के दौरान टीम ने पकड़े गए व्यक्ति के पास से 8.224 किलोग्राम मॉर्फिन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए नशीले पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 13 करोड़ रुपए है। ऑपरेशन के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक गाड़ी को भी जब्त किया गया।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल: कृषि छात्रों के लिए 21.35 करोड़ रुपये जारी, हर महीने सीधे खातों में आएगी छात्रवृत्ति

नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली स्थित पूसा संस्थान में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से देश भर के कृषि छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और फेलोशिप राशि का शुभारंभ किया। इस नई पहल के तहत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए 6,000 से अधिक विद्यार्थियों के बैंक खातों में कुल 21.35 करोड़ रुपये सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। इस आधुनिक व्यवस्था के लागू होने से कृषि विद्यार्थियों को बिना किसी अनावश्यक देरी के हर महीने नियमित रूप से छात्रवृत्ति मिल सकेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह वित्तीय सहायता केवल धन उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि कृषि शिक्षा को अधिक मजबूत, व्यावहारिक और रोजगार के अवसरों से जोड़ने का एक ठोस प्रयास है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी कुशल व्यवस्था की यह कसौटी होती है कि प्रवेश, परीक्षा और भुगतान जैसी सभी प्रक्रियाएं पूरी तरह से समयबद्ध तरीके से पूरी हों।

पीएससी परीक्षा रिकॉर्ड मामले में केरल हाईकोर्ट ने सूचना आयोग के आदेश पर एक माह के लिए लगाई रोक

कोच्चि, यूटर्न/ 11 अगस्त । केरल हाई कोर्ट ने मंगलवार को राज्य सूचना आयोग के एक आदेश पर एक महीने के लिए रोक लगा दी। इस आदेश में लोक सेवा आयोग (पीएससी) को केरल राज्य योजना बोर्ड की भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में परीक्षा के रिकॉर्ड का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने शिकायतकर्ता तिरुवनंतपुरम के रहने वाले श्याम कृष्ण को भी नोटिस जारी किया है, जिनकी 'सूचना का अधिकार' अर्जी के कारण ही सूचना आयोग का आदेश आया था।

दिल्ली में बढ़े स्वाइन फ्लू के मामले, स्वास्थ्य मंत्री बोले-हालात से निपटने की पूरी तैयारी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

दिल्ली में एच1एन1 इन्फ्लूएंजा (स्वाइन फ्लू) के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। इस साल अब तक 1344 मामले सामने आए हैं, जबकि पिछले साल इस अवधि में 229 मामले ही सामने आए थे। इस मामले को लेकर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि सरकार इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि मरीज आ रहे हैं और डॉक्टर उनका ठीक से इलाज कर रहे हैं। अस्पतालों में दवाइयों, बेड और वेंटिलेटर की व्यवस्था कर दी गई है। हेल्थकेयर इक्विपमेंट से जुड़े दिल्ली हाई कोर्ट के पहले के फैसले पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि मैं इस मामले का स्वतः संज्ञान लेने के लिए माननीय कोर्ट का धन्यवाद करना चाहता हूं। पिछली सरकार ने कुछ हेल्थकेयर मशीनें खरीदी

थीं, जबकि उन्हें चलाने के लिए न तो कोई स्पेशलिस्ट थे और न ही उन्हें इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ था। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लोगों के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक स्थिति है। जब से हमारी सरकार सत्ता में आई है, हमने स्टाफ की कमी को दूर किया है और यह पक्का किया है कि जो भी इक्विपमेंट और संसाधन पीछे छूट गए थे और जिनका इस्तेमाल जनता के फायदे के लिए किया जा सकता था, उनका सही ढंग से इस्तेमाल हो, जरूरत पड़ने पर उनकी मरम्मत हो और उन्हें काम में लाया जाए।

दिल्ली विधानसभा में निकली 'तिरंगा यात्रा' रेखा गुप्ता और स्पीकर विजेंद्र ने किया नेतृत्व

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत स्वतंत्रता उत्सव के हिस्से के रूप में मंगलवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधायकों के साथ 'तिरंगा यात्रा' निकाली।

तिरंगा लहराते और देशभक्ति के नारे लगाते हुए मार्च में शामिल लोग विधानसभा के प्रांगण में घूमे और स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों पर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी।

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी की मूर्ति से शुरू होकर बीआर अंबेडकर की मूर्ति पर समाप्त होने वाली यह यात्रा राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के प्रति सम्मान का प्रतीक थी। उन्होंने कहा, 'तिरंगा सिर्फ हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं है बल्कि यह

हमारे लोकतंत्र की जीवंत धड़कन है और हर भारतीय को हमारे संविधान के आदर्शों से जोड़ने वाला पवित्र धागा है।' स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 'राष्ट्रपिता' (महात्मा गांधी) की मूर्ति से भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता (बीआर अंबेडकर) की मूर्ति तक मार्च करने का प्रतीकात्मक महत्व यह है कि विधानसभा परिसर के भीतर का यह रास्ता भारत की स्वतंत्रता से संवैधानिक शासन तक की यात्रा को दर्शाता है और उन मूल्यों को मजबूत करता है जो राज्य की लोकतांत्रिक संस्थाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लोकतंत्र के मंदिर के रूप में, विधानसभा पर सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को बढ़ावा देने की गंभीर जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि तिरंगा सिर्फ राष्ट्रीय ध्वज नहीं है, बल्कि हमारी सभ्यता के गौरव का प्रतीक, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की तपस्या और बलिदान की याद और 140 करोड़ भारतीयों की एकता का प्रतीक है।

संक्षिप्त खबरें

महिला कारोबारी से 23 लाख की धोखाधड़ी, 11 पर रिपोर्ट दर्ज

लोनी, यूटर्न/ 11 अगस्त । बाग राणप गांव स्थित गारमेंट फैक्टरी की संचालिका व महिला कारोबारी अंजू देवी ने कारीगरों समेत कई लोगों पर 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। महिला कारोबारी का आरोप है कि उनके घर के पास लोअर व जैकेट बनाने की फैक्टरी है। उसमें गुलहसन, आरिफ, शौकीन, वकील, दिलशाद व शाहरुख आदि कपड़ा कटिंग करते हैं। वकील और शाहरुख ने करीब दो लाख रुपये, आरिफ ने दस हजार, शौकीन ने 28 हजार और शाहरुख ने 11.400 रुपये एडवांस लिए थे। वहीं, शाहरुख के पिता यासीन ने लोनी के रहने वाले मीर हसन, अंजना दास व उसके पुत्र रिंकी दास निवासी गुवाहटी आसाम, शोभित जैन निवासी ज्योति नगर दिल्ली व राशिद निवासी गोकुलपुरी दिल्ली से मिलवाया था। पांचों ने उनकी फैक्टरी से लोअर और जैकेट लेना शुरू कर दिया। माल के जब रुपये मांगे तो यासीन ने करीब 5.81 लाख रुपये, मीर हसन ने 8.29 लाख रुपये, अंजना दास व उसके पुत्र रिंकी दास ने करीब आठ लाख रुपये, शोभित जैन व राशिद ने 1.32 लाख रुपये के चेक दिए। आरोप है कि बैंक में चेक जमा करने पर बाउंस हो गए। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जलभराव रोकने में लगातार दूसरे वर्ष फेल भाजपा सरकार-कांग्रेस

नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने राजधानी में जलभराव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दो दिन की रिकॉर्ड बारिश ने दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम और सरकारी इंतजामों की पोल खोल दी है। श्री यादव ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद सरकार जलभराव रोकने में लगातार दूसरे वर्ष विफल रही है। मध्य, पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी बाहरी और दक्षिणी दिल्ली समेत कई इलाकों में सड़कें और रिहायशी क्षेत्र तालाब बन गये हैं, जबकि सरकार और एजेंसियां सीमित स्थानों पर ही जलभराव की शिकायत मिलने का दावा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में पहले आम आदमी पार्टी और अब भाजपा दिल्लीवासियों को जलभराव से निजात दिलाने में नाकाम रही हैं। करीब 50 वर्ष पुराने ड्रेनेज सिस्टम को बदलने की योजनाओं और बड़े बजटीय आवंटन के बावजूद जमीन पर काम नहीं हुआ।

ऑपरेशन विस्टा : दिल्ली पुलिस ने सात बांग्लादेशी नागरिकों को किया गिरफ्तार, वीजा शर्तों के उल्लंघन का आरोप

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन करने वाले विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में दिल्ली पुलिस के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने 'ऑपरेशन विस्टा 1.0' (वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस ऑपरेशन के तहत, वीजा की शर्तों का उल्लंघन करने और तय समय से ज्यादा समय तक भारत में रहने के आरोप में सात बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। यह ऑपरेशन राष्ट्रीय राजधानी में वीजा नियमों का उल्लंघन करके या तय समय से ज्यादा रुककर गैर-कानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा था। इस खास वेरिफिकेशन अभियान के दौरान, पुलिस टीमों ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में होटलों, गेस्ट हाउस और विदेशी नागरिकों को ठहराने वाली दूसरी जगहों पर बड़े पैमाने पर जांच की।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यह ऑपरेशन तब तेज हुआ जब नबी करीम इलाके में गश्त कर रही पुलिस टीम को एक भरोसेमंद सूत्र से पक्की जानकारी मिली कि बांग्लादेश के कई नागरिक, जिनके वीजा की मियाद खत्म हो चुकी थी, वहां गैर-कानूनी रूप से रह रहे थे। जानकारी मिलने पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसकी पहचान बांग्लादेश के नोआखाली जिले के रहने वाले एमडी नजरुल इस्लाम फोसल के तौर पर हुई।

पूछताछ के दौरान, फोसल ने बताया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है और नबी करीम इलाके में रह रहा था। उसने अपना बांग्लादेशी पासपोर्ट दिखाया, जिसकी मौके पर ही जांच की गई। पुलिस को पता चला कि उसका पासपोर्ट 8 फरवरी को जारी हुआ था और भारत में उसके रहने की मंजूरी सिर्फ 7 अगस्त तक ही थी। हालांकि, वह सक्षम अधिकारियों से कोई एक्सटेंशन या मंजूरी लिए बिना तय समय से ज्यादा समय तक देश में रह रहा था।

लगातार पूछताछ के दौरान, फोसल ने बताया कि कई और बांग्लादेशी नागरिक भी वीजा की शर्तों का उल्लंघन करके दिल्ली में रह रहे थे।

देश-दुनिया के पर्यटक दिल्ली में रुकें, इसकी विविधता को जानें और इसकी आध्यात्मिक विरासत से जुड़ें : रेखा गुप्ता

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को अक्षरधाम मंदिर में आयोजित 'स्पिरिचुअलएंडहेरिटेजटूरिज्मकॉन्क्लेव-2026' में भागीदारी की। 'दिल्लीः द कैपिटल ऑफ स्पिरिचुअलिटी, हेरिटेज एंड एक्सपीरियंसेज' थीम पर आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य दिल्ली की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को एकीकृत टूरिज्म एक्सपीरियंस के रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करना और राजधानी को 'ट्रांजिट सिटी' से 'डेस्टिनेशन सिटी' के रूप में विकसित करना है।

इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के चार स्पिरिचुअल और हेरिटेज टूरिज्म सर्किट्स का शुभारंभ किया। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इन चार सर्किट्स के जरिए दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में स्थित धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को एक यात्रा अनुभव के रूप में जोड़ा गया है। सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली आने वाले पर्यटक केवल कुछ प्रमुख स्मारकों को देखकर वापस न लौटें, बल्कि राजधानी की विविध आस्था, इतिहास, वास्तुकला, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को करीब से अनुभव करें और यहां अधिक समय बिताएं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को केवल कुछ प्रसिद्ध स्मारकों

तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह भारत की विविध संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतिबिंब है। इंद्रप्रस्थ से लेकर विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों तक दिल्ली ने भारत के इतिहास को अपने भीतर संजोया है और राजधानी का प्रत्येक क्षेत्र अपने भीतर कोई न कोई कहानी, परंपरा और विरासत समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की पहचान केवल लाल किला, पुराना किला और हुमायूं के मकबरे जैसे ऐतिहासिक स्मारकों तक सीमित नहीं है। यहां अक्षरधाम जैसे विश्वस्तरीय आध्यात्मिक एवं वास्तुशिल्प स्थल हैं, वहीं मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्चों, मस्जिदों, बौद्ध और जैन धार्मिक स्थलों की समृद्ध परंपरा भी मौजूद है। दिल्ली की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी विविधता में एकता है। देश के लगभग हर राज्य के लोग दिल्ली में रहते हैं और अपनी संस्कृति, परंपराओं एवं त्योहारों को यहां जीवंत रखते हैं। गुजरात का गरबा, महाराष्ट्र की गणेश चतुर्थी, असम का बिहू, दक्षिण भारत की सांस्कृतिक परंपराएं और उत्तर भारत के त्योहार दिल्ली में पूरे देश की संस्कृति को एक साथ सामने लाते हैं। यही कारण है कि दिल्ली भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रतिबिंब का जीवंत स्वरूप है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इन सर्किट्स का उद्देश्य केवल अलग-अलग टूरिस्ट स्पॉट्स को जोड़ना नहीं, बल्कि दिल्ली को एक कम्प्लीट टूरिज्म एक्सपीरियंस के रूप में विकसित करना है। पर्यटक यहां दिल्ली की आध्यात्मिकता, इतिहास, वास्तुकला, संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं और विविध आस्थाओं को महसूस कर सकें।

सरकार का प्रयास है कि दिल्ली आने वाला पर्यटक केवल कुछ घंटों या एक दिन के लिए यहां न रुके, बल्कि अधिक समय तक ठहरे और राजधानी के अलग-अलग हिस्सों को एक्सप्लोर करे। इससे होटल, रेस्टोरेंट, टूर ऑपरेटर्स, स्थानीय गाइड, कलाकार, कारीगर और छोटे उद्यमियों के लिए रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारतीय अध्यात्म, योग, शांति और आंतरिक संतुलन की ओर आकर्षित हो रही है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा की ग्लोबल स्वीकार्यता दिल्ली के लिए भी एक बड़ा अवसर है।

चीनी मांझे की चपेट ने आने से कटी गर्दन, हटाने के दौरान दो उंगलियों में गहरे घाव, धीरज को लगे आठ टांके

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

उत्तम नगर इलाके में चीनी मांझा गर्दन पर लगने से एक स्कूटर सवार 32 साल का युवक बुरी तरह घायल हो गया। पीड़ित के मुताबिक उनकी गर्दन पर आठ टांके लगे हैं।

मांझा हटाने के दौरान उनकी दो उंगलियों पर भी गहरे घाव हो गए हैं।

पहचान धीरज कुमार ओझा के रूप में हुई है। घटना के समय वह उत्तम नगर से सामान खरीदकर मुंडका स्थित अपने घर जा रहे थे। पुलिस ने घायल अवस्था में उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार धीरज कुमार ओझा मुंडका इलाके में फैक्टरी चलाते हैं।

5 अगस्त को वह उत्तम नगर से सामान खरीदने के बाद अपनी स्कूटी से जा रहे थे। उत्तम नगर के शिव विहार इलाके में नाला रोड पर ओझा की गर्दन के बाईं ओर पतंग का मांझा गर्दन में लग गई, जिससे उन्हें गहरा घाव हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रतिबंधित चीनी मांझे के साथ पांच गिरफ्तार

स्वतंत्रता दिवस से पहले राजधानी में प्रतिबंधित चीनी और मोनोफिलामेंट मांझे की बिक्री के मामले में जांच अभियान चलाकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 45 रील, चरखी और स्पूल प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त राजबीर सिंह ने बताया कि थाना जामा मस्जिद, हौज काजी, कमला मार्केट और आईपी एस्टेट की टीम ने विशेष अभियान चलाया था।

ग्रेटर नोएडा में 'इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो 2026' का आगाज, ग्रीन एनर्जी के भविष्य पर होगा मंथन

» ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 11 अगस्त

भारत के बायोएनर्जी क्षेत्र को नई दिशा देने और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश व तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार से ग्रेटर नोएडा में तीन दिवसीय 'इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो 2026' का आगाज हो गया। 11 से 13 अगस्त तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले इस वैश्विक आयोजन में देश-विदेश के नीति-निर्माता, उद्योग जगत के दिग्गज, निवेशक, तकनीकी विशेषज्ञ, टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स और इनोवेटर्स एक मंच पर जुटेंगे।

आयोजन का उद्देश्य 'लो कार्बन वर्ल्ड के लिए बायोएनर्जी समाधानों को आगे बढ़ाना' है। इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई) और उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी

डेवलपमेंट एजेंसी (यूपीएनईडीए) की ओर से आयोजित इस एक्सपो में बायोएनर्जी सेक्टर की नवीनतम तकनीकों, उत्पादों और भविष्य की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों, नेट जीरो की दिशा में हो रहे प्रयासों और बायोएनर्जी आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा होगी।

आयोजन के पहले दिन उत्तर प्रदेश को केंद्र में रखते हुए विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें ई20 से आगे के उभरते अवसर, कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन तथा डिस्टिलरी से अधिकतम मूल्य प्राप्त करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ विचार रखेंगे। वहीं, 12 अगस्त को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक्सपो के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने का प्रस्तावित कार्यक्रम है। दूसरे दिन सीईओ राउंडटेबल के साथ बायोमास, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी), ग्रीन हाइड्रोजन और सस्टेनेबल फ्यूल जैसे विषयों पर चर्चा होगी। एक्सपो के तीसरे और अंतिम दिन छठे 'इंडिया ग्रीन एनर्जी अवार्ड्स' का आयोजन किया जाएगा।

इसके अलावा, 'भारतीय खेतः ग्रीन एनर्जी क्रांति और किसानों की आय को बढ़ावा' विषय पर विशेष सत्र होगा। इसमें कृषि अवशेषों के उपयोग, किसानों की आय बढ़ाने, टिकाऊ फीडस्टॉक इकोसिस्टम विकसित करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर मंथन किया जाएगा।

सरकार छात्र आंदोलन पर संसद में चर्चा और गृहमंत्री के जवाब के लिए हुई तैयार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध को तोड़ने के लिए सरकार ने सोमवार को विपक्ष के सामने राजधानी दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र आंदोलन से जुड़े सभी मुद्दों पर लोक सभा में विस्तृत चर्चा कराने का प्रस्ताव किया और कहा कि चर्चा का जवाब गृहमंत्री अमित शाह देने को तैयार हैं। संसद और संसद के बाहर सरकार की ओर से कहा गया कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष को भी जवाब सुनने के लिए तैयार रहना होगा। सरकार की इस पेशकश के बावजूद सोमवार को भी दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित हुई।

विपक्ष दिल्ली में 20 जुलाई को काक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान राजधानी में युवाओं पर पुलिस कार्रवाई पर गृहमंत्री के बयान की मांग पर अड़ा है और संसद में हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। सरकार की ओर से गृहमंत्री की ओर से जवाब का प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब मानसून सत्र में तीन सप्ताह की कार्यवाही में अधिकांश समय विपक्ष के हंगामे की भेट चढ़ चुका है। कुछ विधेयक बिना चर्चा के विपक्ष की नारेबाजी और बहिर्गमन के बीच पारित हुए हैं। इस सत्र में अब मात्र तीन दिन बचे हैं। सोमवार को सरकार की ओर से पहले संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और फिर शाम को भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जीपी नड्डा ने छात्र आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने की पेशकश की ।

खरसिया के छाया विधायक महेश साहू ने अशोक बुवानीवाला को दिया छत्तीसगढ़ आने का न्योता

अग्रवाल वैश्य समाज हिसार इकाई ने हरियाणा के देसी भोजन से किया छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता का स्वागत

हरियाणा, यूटर्न/ 11 अगस्त । ओपी जिंदल स्कूल के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल होने हिसार पहुंचे छत्तीसगढ़ के खरसिया विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं छाया विधायक महेश साहू से अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा की हिसार इकाई के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। इस दौरान हिसार जिला अध्यक्ष भानु सिंघल एवं युवा जिलाध्यक्ष अबना मंगल के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा की हिसार इकाई की ओर से छत्तीसगढ़ से आए अतिथि महेश साहू का हरियाणा के पारंपरिक देसी भोजन से सत्कार किया गया। इस दौरान हरियाणा और छत्तीसगढ़ के सामाजिक एवं संगठनात्मक विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर महेश साहू ने अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला के सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज को एकजुट करने और सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने की दिशा में उनके प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने अशोक बुवानीवाला को छत्तीसगढ़ आने का विशेष न्योता भी दिया।

प्राचीन इच्छापुरी शिवालय धाम बरवाला में हुआ विशाल जागरण

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने किया जलाभिषेक

शिवालय धाम में सरकारी खर्च से बनेगा भव्य स्वागत द्वार, पानी की समस्या भी होगी दूर : रणबीर गंगवा

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 11 अगस्त । प्राचीन इच्छापुरी शिवालय धाम बरवाला में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विशाल जागरण एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने प्राचीन शिवालय में भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों एवं बरवाला क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात शिवालय कमेटी की ओर से कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का भव्य स्वागत एवं मान-सम्मान किया गया।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि

उन्हें प्राचीन इच्छापुरी शिवालय धाम में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि भोले बाबा की कृपा सभी पर बनी रहे और श्रद्धालुओं की आस्था एवं विश्वास इसी प्रकार मजबूत बना रहे। उन्होंने कहा कि हमें स्वयं तो धर्म एवं भक्ति से जुड़ना ही चाहिए, साथ ही अपने बच्चों को भी संस्कारों और धार्मिक परंपराओं से जोड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा बरवाला क्षेत्र पर बनी हुई है। उन्होंने भोलेनाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि उन्हें बरवाला की जनता की और अधिक सेवा करने की शक्ति प्रदान करें तथा क्षेत्र का निरंतर विकास होता रहे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने इस अवसर पर बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि प्राचीन इच्छापुरी शिवालय धाम में सरकारी खर्च से भव्य स्वागत द्वार का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिवालय धाम में पानी की समस्या को भी जल्द दूर किया जाएगा। इसके साथ ही शिवालय कमेटी द्वारा रखी गई अन्य मांगों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बरवाला विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में 150 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा बरवाला की गलियों के निर्माण के लिए 16 करोड़ रुपये की मांग को भी स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे क्षेत्र में विकास कार्यों को और गति मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भजनों एवं धार्मिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और भगवान भोलेनाथ के जयकारों से पूरा शिवालय परिसर गूंज उठा। मंच संचालन की भूमिका आयुष शर्मा ने कुशलतापूर्वक निभाई।

इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन पिछड़ा वर्ग हरियाणा सरकार सतबीर वर्मा, मार्केट कमेटी बरवाला के चेयरमैन प्रवीण सैनी, भाजपा हिसार कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, मंडल अध्यक्ष मोनू संदूजा, पूर्व चेयरमैन रणधीर धीरू, वरिष्ठ समाजसेवी विनोद बंसल, जिला आईटी सह प्रमुख भाजपा कमल हंदूजा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ जांगड़ा, पूनम जांगड़ा, कैलाश सिंगला, युवा समाजसेवी मुकेश मित्तल, मान सिंह सैनी, जगमिंदर सिंगला, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुराना में डीएलएसए हिसार के तत्वाधान में मनाया गया वन महोत्सव

» **हरियाणा, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुराना में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हिसार उछरअ के तत्वाधान में 'वन महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों में जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायाधीश बरवाला राकेश कुमार एवं सुनील कुमार* ने शिरकत की। दोनों न्यायाधीशों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर गांव के सरपंच राम अवतार शर्मा, पूर्व चेयरमैन रामफल, पूर्व जिला पार्षद धर्मबीर गुराना एवं एडवोकेट कुलबीर गुराना ने भी पौधे लगाकर इस मुहिम में सहयोग किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, ग्रामीणों, शिक्षकों व विद्यार्थियों ने पर्यावरण को स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषण मुक्त रखने की शपथ ली।

विद्यालय प्राचार्य श्री बलजीत सिहाग ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना विकसित होती है।

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर शिवाजी स्टेडियम में चल रही है , रिहर्सल

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 11 अगस्त । उपायुक्त डॉक्टर हरीश कुमार वशिष्ठ के मार्गदर्शन एवं कुशल निर्देशन में शिवाजी स्टेडियम के ग्राउंड में 80वें जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य रूप देने के लिए परेड व पीटी रिहर्सल का आयोजन किया जा रहा है।

इसी के दृष्टिगत सीईओ जिला परिषद डॉ. किरण ने शिवाजी स्टेडियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्कूलो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति के लिए भी

रिहर्सल आयोजित की जा रही है।

सभी विभागों एवं प्रतिभागी संस्थाओं ने अनुशासन और उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करते हुए आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। डॉ. किरण सिंह ने बताया कि वीरवार 13 अगस्त को उपायुक्त डॉक्टर हरीश कुमार वशिष्ठ फाइनल रिहर्सल में सभी कार्यक्रमों का अवलोकन करेंगे।

जीटी रोड पर थमे वाहनों के पहिए, घंटों जाम में फंसे लोग

साहिबाबाद, यूटर्न/ 11 अगस्त । डाक कांवड़ियों की आवक सोमवार शाम को बढ़ गई ऐसे में मोहन नगर जीटी रोड पर वाहनों के पहिए थम गए, लोग घंटों जाम में फंसे रहे। मोहन नगर और वजीराबाद रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ने से शाम को घंटों लोग जाम से जूझते रहे। कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में सोमवार दोपहर से डाक कांवड़, झांकियों जैसी सजी कांवड़ गाजियाबाद पहुंचने लगी है। शाम होते-होते कांवड़ियों की बड़ी संख्या जीटी रोड से गुजरने लगी।

नए सरकारी कन्या महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 240 सीटों पर दाखिले शुरू

» **पानीपत, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

बेटियों की उच्च शिक्षा को मिलेगा नया विस्तार, सरकारी कन्या महाविद्यालय में दाखिले शुरू पानीपत में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वर्ष 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, पानीपत में बीए और बीकॉम पाठ्यक्रमों में दाखिले शुरू हो गए हैं। महाविद्यालय का संचालन डीआईईटी भवन की प्रथम मंजिल, रेड लाइट चौक के नजदीक से किया जा रहा है। महाविद्यालय भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां से संबद्ध है। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है और जब बेटियों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिलते हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। यहां सरकारी कन्या महाविद्यालय की शुरूआत छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवसर है। इससे विशेष रूप से उन छात्राओं को लाभ मिलेगा, जो आर्थिक, सामाजिक या दूरी संबंधी कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई महसूस करती हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य बेटियों को केवल शिक्षित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर बनाना है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली बेटियां आगे चलकर रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यवसाय तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपनी बेटियों की उच्च शिक्षा को प्राथमिकता दें और उपलब्ध अवसर का लाभ उठाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। डॉ. वशिष्ठ ने कहा कि नए महाविद्यालय में छात्राओं को सुरक्षित एवं सहयोगपूर्ण वातावरण में शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए भी बेहतर वातावरण तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा में किया गया निवेश समाज के उज्ज्वल भविष्य में किया गया निवेश है।

प्रिंसीपल सुभाष चंद्र ने बताया कि महाविद्यालय में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) की 160 सीटें तथा बैचलर ऑफ कॉमर्स (बीकॉम) की 80 सीटें उपलब्ध हैं। बीए में अंग्रेजी, हिंदी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, हरियाणा डोमिसाइल, अर्थशास्त्र, कंप्यूटर साइंस, शारीरिक शिक्षा और गणित जैसे विषय उपलब्ध कराए गए हैं।

राष्ट्रीय ध्वज व राष्ट्र प्रथम की सोच से नागरिक अपने जीवन में करे कार्य : विश्राम कुमार मीणा

» प्रमोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 11 अगस्त । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला के नागरिक राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्र प्रेम की सोच के साथ अपने जीवन में कार्य करें, ताकि राष्ट्र का सम्मान ओर बढ़े। धर्मनगरी के नागरिक हर घर तिरंगा प्रदर्शनी में पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा की महत्वपूर्ण जानकारी को प्राप्त कर रहे हैं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी पहचान, सम्मान, स्वाभिमान और

संकल्प का प्रतीक है। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाया गया हर घर तिरंगा अभियान अब जन आंदोलन बन गया है। हर नागरिक को इस अभियान में जुड़ने के लिए सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की तरफ से हर घर तिरंगा प्रदर्शनी लगाई गई है। उन्होंने नागरिकों से प्रदर्शनी में को देखने की अपील की।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने मंगलवार को लघु सचिवालय में सूचना जनसंपर्क भाषा विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा प्रदर्शनी 13 व 14 अगस्त को नए लघु सचिवालय में, 15 को स्वतंत्रता समारोह और 16 व 17 को ब्रह्मसरोवर पर आयोजन किया जाएगा। सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा लघु सचिवालय के साथ-साथ उपमंडल अधिकारी कार्यालय लाडवा, शाहाबाद और पिहोवा में भी हर घर तिरंगा प्रदर्शनी को लगाया गया है। इस प्रदर्शनी में तिरंगा के संबंधित में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई गई है, जो नागरिकों के लिए काफी जानकारी मुहैया करवाने वाली होगी। तिरंगा अब केवल सरकारी भवनों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि यह हर घर, हर परिवार और हर नागरिक के जीवन से और दिल से जुड़ गया है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रदर्शनी में बताया गया कि राष्ट्रीय ध्वज को सूती, पॉलिएस्टर, ऊनी, रेशम या खादी के कपड़े से बनाया जा सकता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित नियम और कानून फ्लैग कोड के तहत आते हैं। फ्लैग कोड के नियमानुसार राष्ट्रीय ध्वज पर किसी भी प्रकार का कोई अक्षर, शब्द, वाक्य या स्लोगन नहीं लिख सकते हैं। इसी तरह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा 1907 में डिजाइन किया गया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

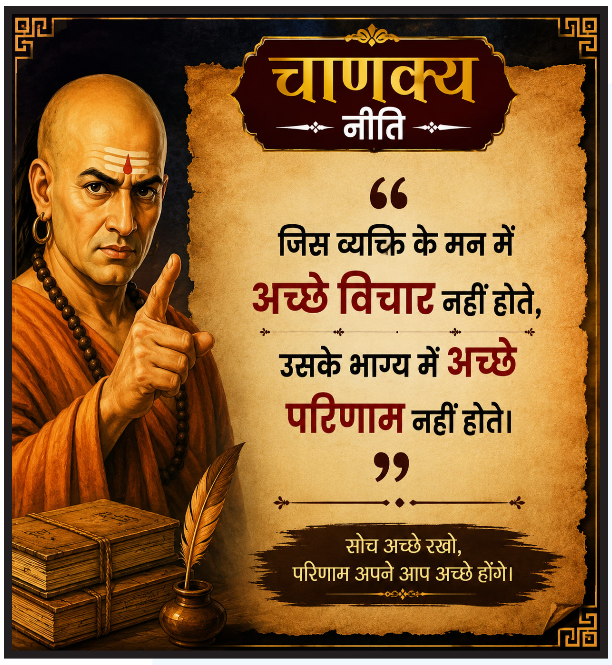

ऐसे तो फिर हाथ से फिसल जाएगी सत्ता की कुर्सी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हाल ही में गठित उत्तराखंड कांग्रेस की भारी भरकम कार्यकारिणी में हरीश रावत का नाम नदारद है, कुछ ऐसे चर्चित और प्रभावी नाम भी कार्यकारिणी में नही है,जिनके नाम से ही कांग्रेस जानी जाती है ।साथ ही जो मुसलमान कांग्रेस को आंख बंद करके वोट देता आया है,उनकी संख्या कार्यकारिणी में मात्र 8 है। वह भी तब जब कार्यकारिणी के प्रदेश सचिवों की संख्या ही 107 तक पहुंच गई है। एक तरफ उत्तराखंड में कार्यकारिणी गठन का ऐलान हो रहा था,वही दूसरी तरफ दिल्ली से खबर आ रही थी कि हरीश रावत जिंदगी की जंग लड़ रहे है। हल्द्वानी में हुई कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा में कुछ कार्यकर्ताओ ने हरीश रावत जिंदाबाद के नारे उनकी गैर मौजूदगी में लगा दिए तो कांग्रेस प्रभारी शैलजा नाराज हो गई,जबकि होना यह चाहिए था कि जनसभा में हरीश रावत को भी आमंत्रित कर उनका भाषण कराया जाता। पता नही कांग्रेस अपनो को दूर करके क्या हासिल करना चाहती है ।कांग्रेस में योग्य कार्यकर्ताओ की कमी नही है,परन्तु गुटबाजी के चक्कर मे उन्हें आगे ही नही लाया जाता। पार्टी के प्रभारी जो नेता बनते है,उनकी भी परफॉर्मेंस का आंकलन करना चाहिए कि उन्होंने अपने राज्यो में पार्टी को कितनी सीटे दिलवाई, ऐसा न हो कि अपने राज्यो में हारकर दूसरे राज्य का प्रभारी बन सिर्फ अपने स्वस्गत कराता हुआ ही प्रभारी घूमता रहे ।कम से कम भाजपा में ऐसा नही होता,वहां निष्ठावान कार्यकर्ताओ को खोज खोजकर दायित्व दिया जाता है ।जबकि कांग्रेस में चापलूसी, चमचागिरी और जी हुजूरी पहले नंबर पर है तभी कुछ मिल सकता है ।आज पार्टी में ऐसे ऐसे पदाधिकारी बन बैठे है ,जो पार्टी के प्रति शायद ही वफादार रहे हो ।आगामी 2027 के मद्देनजर होना यह चाहिए था कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चलती ।लेकिन हाल के घटनाक्रम तो आपसी फूट की तरफ इशारा कर रहे है। कांग्रेस के लिए यह स्वर्णिम अवसर है जब भाजपा के मौजूदा 32 विधायकों की रिपोर्ट खराब आई है, यदि उन्ही सीटों को कांग्रेस टारगेट बना ले तो उसकी नैया पार हो सकती है ।लेकिन न तो हरीश रावत के बिना और न ही पार्टी के उन निष्ठावानो के बिना ,जो कांग्रेस को अपने खून से सींचते है।

हरीश रावत एक मात्र ऐसे नेता है जो अपने कार्यकर्ताओं के बीच सदैव सक्रिय रहते है ।उनके बिना कांग्रेस आज भी बेमायने है। पिछले दिनों भी कांग्रेस प्रभारी शैलजा से अप्रत्यक्ष नाराजगी के चलते हरीश रावत ने अर्जित अवकाश की राजनीति शुरू की थी ।जिसे लेकर कांग्रेस के आला अधिकारी से लेकर कांग्रेस समर्थक भी असमंजस में रहे ।अपनी बढ़ती उम्र में भी बेहद सक्रिय कांग्रेस के शीर्ष नेता हरीश रावत के पास वर्तमान में कोई दायित्व नही है,फिर भी वे राज्य के सर्वाधिक सक्रिय नेता कहे जा सकते है ।ऐसे में उनकी अनदेखी करके कांग्रेस कोई भी चुनाव फिलहाल नही लड़ सकती और यदि ऐसा हुआ तो फिर से कांग्रेस की लुटिया डूबने में देर नही लगेगी ।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा भी है कि वे पार्टी के लिए बूथ अध्यक्ष तक बनने को तैयार है। पिछले दिनों हरीश रावत का यह कहना भी गलत नही है कि कांग्रेस में कुछ लोग ‘जहरीले’ हैं,ऐसे लोग बीजेपी में भी हैं। हरीश रावत ने हाल ही में कांग्रेस से यह भी कहा कि,मैं बूढ़ा आदमी हूं, मेरा काम है खांसते रहना ताकि कोई गलत आदमी पार्टी में न घुस पाए ।उन्होंने पार्टी के साथ दगा करने वाले एक नेता कि ओर इशारा कर कहा कि, आपके पास जो भी जहर है, वो मेरे ऊपर डाल दो, मैं उसे पी जाऊंगा,आप बस एक-दूसरे की तारीफ करो, एक-दूसरे को प्रोत्साहित करो और आगे बढ़ो।’

वास्तव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने कांग्रेस की मौजूद चुनौती को साफ दिखती है, गुटों में बंटी कांग्रेस इकाई का नेतृत्व करना, वह भी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले बेहद कठिन है ।वह भी तब जब कांग्रेस पार्टी सन 2017 और सन 2022 के दो विधानसभा चुनाव हार चुकी हो, साथ ही राज्य की लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई है,जो पार्टी की कमजोर हालत को प्रमाणित करता है।

भुलर की कुर्सी गई, राजनीतिक अहमियत बढ़ गई

संदीप शर्मा

पंजाब की राजनीतिक पार्टियां जिस तरह से पुलिस अधिकारियों की खूबियों को पहचानती हैं, उसमें कुछ-कुछ काव्यात्मक बात है। तीन दशकों तक, गुरप्रीत सिंह भुलर अकाली, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौर में भी अपनी अहमियत बनाए रखने में कामयाब रहे। उन्होंने अमृतसर, जालंधर, लुधियाना और मोहाली समेत पंजाब में पुलिसिंग के कई सबसे अहम पद संभाले। पंजाब के राजनीतिक तंत्र की भाषा में कहें तो, वे हर दौर में टिके रहने वाले (सर्वाइवर) अधिकारी थे। और फिर, अचानक, उन्हें गैर-जरूरी समझ लिया गया। विडंबना यह है कि जिस अधिकारी को अलग-अलग सरकारों ने काम का माना था, वही अब एक राजनीतिक विवाद के केंद्र में है, जिसमें बीजेपी को भुलर का एक बिल्कुल अलग रूप दिखा है: एक ’ईमानदार अधिकारी’ जिसने, पार्टी के अनुसार, देश-विरोधी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन का पदार्फाश किया। वहीं, AAP सरकार ने उन्हें अमृतसर पुलिस कमिश्नर के पद से हटा दिया है और DYGYP ऑफिस में रिपोर्ट करने को कहा है। पंजाब पुलिस ने कहा है कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। बीजेपी का दखल खास तौर पर गौर करने लायक है। उसने सिर्फ भुलर के ट्रांसफर पर सवाल नहीं उठाया। उसने एक ज्यादा राजनीतिक रूप से विस्फोटक सवाल पूछा: मान सरकार किसे बचाना चाहती है? यह सवाल भले ही राजनीतिक बयानबाजी हो, लेकिन यह एक बड़ी सच्चाई को उजागर करता है। बीजेपी के लिए, भुलर अचानक आदर्श पुलिस अधिकारी बन गए हैं—इसलिए नहीं कि उनका तीन दशक का करियर रातों-रात बदल गया है, बल्कि इसलिए कि उनका हालिया विवाद बीजेपी के राष्ट्रीय सुरक्षा वाले नैरेटिव (विमर्श) में फिट बैठता है। अअढ सरकार के लिए, वही अधिकारी अचानक एक बोझ बन गए हैं—जरूरी नहीं कि उनका पूरा रिकॉर्ड बदल गया हो, बल्कि इसलिए कि उनके शब्द पहले से ही गरमा-गरम राजनीतिक लड़ाई के बीच आ गए हैं।

तो असली भुलर कौन हैं?: ाायद न तो बीजेपी के ‘ईमानदार अधिकारी’ और न ही AAP सरकार के लिए परेशानी का सबब बने अधिकारी। वे ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने पंजाब के राजनीतिक माहौल के हिसाब से खुद को ढालते हुए दशकों बिताए हैं। उन्होंने प्रशासनिक तौर पर टिके रहने की कला में महारत हासिल की है और अलग-अलग सरकारों के दौर में अहम पद हासिल किए हैं। यह बात खुद भुलर के बारे में कम और पंजाब की पुलिसिंग व्यवस्था के बारे में ज्यादा बताती है। क्योंकि बड़ा सवाल यह नहीं है कि भुलर राजनीतिक रूप से पसंद किए जाते हैं या नापसंद। सवाल यह है कि क्या पंजाब ऐसी पुलिस फोर्स चाहता है जिसके अफसरों को उनके बयानों के राजनीतिक नतीजों से आंका जाए—या फिर उनके काम की क्वालिटी से? ट्रांसफर के समय को लेकर सवाल उठना लाज़िमी है। भुल्लर को तब हटाया गया जब करक-समर्थित टेरर मॉड्यूल और दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन वाली जगह की रेकी (जासूसी) के बारे में उनके बयानों ने राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक तूल पकड़ लिया था।

सरकार को किसी अफसर का ट्रांसफर करने का अधिकार है। बीजेपी को उस फैसले पर सवाल उठाने का अधिकार है। लेकिन किसी को भी पुलिस को राजनीतिक फुटबॉल बनाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। बीजेपी के लिए भी यहाँ एक असहज करने वाला सबक है। अगर भुल्लर सच में एक ‘ईमानदार अफसर’ हैं, जैसा कि पार्टी अब कह रही है, तो सवाल उठता है: उनकी ईमानदारी राजनीतिक रूप से तभी क्यों अहम हुई जब AAP सरकार ने उन्हें हटाया? और अअढ के लिए भी एक उतना ही असहज करने वाला सवाल है। अगर उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया था, तो जवाब में उन्हें अचानक हटाने के बजाय साफ-साफ यह क्यों नहीं बताया गया कि उन्होंने असल में क्या कहा था, पुलिस की जांच में क्या पता चला, और अफसर से ठीक कहाँ गलती हुई?

पंजाब इन जवाबों का हकदार है। इसके बजाय, उसे उसी पुलिस वाले के बारे में दो अलग-अलग बातें सुनने को मिली हैं।

युवा भारत की धड़कन में सपने, सवाल और बदलाव की पुकार

भारत की जनसंख्या संरचना में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ’यूथ इन इंडिया 2022’ रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 27.2 प्रतिशत थी और यह संख्या लगभग 34.5 करोड़ थी। रिपोर्ट इसे भारत के लिए ’डेमोग्राफिक डिविडेंड’ अर्थात जनसांख्यिकीय लाभांश की महत्वपूर्ण खिड़की मानती है लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल और समावेशी विकास की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

अतुल गोयल

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल देश का वर्तमान नहीं बल्कि उसके भविष्य की दिशा तय करने वाली वह ऊर्जा हैं, जिनके सपनों, सवालों, नवाचारों और निर्णयों से आने वाले समाज की तस्वीर बनती है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को ’अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस’ मनाता है। इसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाना, उनकी आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। पहला अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था, जिसकी अवधारणा 1991 में वियना में आयोजित विश्व युवा मंच के दौरान सामने आई थी और 1998 के लिस्बन सम्मेलन में 12 अगस्त को युवा दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई थी। दिसंबर 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 54/120 के माध्यम से इसे औपचारिक मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम है ’विभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं’, जो आज के वैश्विक युवा परिदृश्य को अत्यंत सटीक ढ़ंग से अभिव्यक्त करती है। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाजों और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग हों लेकिन उनकी मूल आकांक्षाएं आश्चर्यजनक रूप से समान हैं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, आर्थिक सुरक्षा, समान अवसर, बेहतर स्वास्थ्य, निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी और ऐसा भविष्य, जिसमें उनकी प्रतिभा तथा परिश्रम का उचित मूल्य मिले। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युवा चाहे छोटे द्वीपीय देशों में रहते हों, विकासशील देशों में या अपेक्षाकृत समृद्ध समाजों में, उनकी साझा आकांक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरिमापूर्ण कार्य, निर्णयों में अपनी आवाज और बेहतर भविष्य की चाह प्रमुख है। भारत के संदर्भ में यह थीम और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की जनसंख्या संरचना में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ’यूथ इन इंडिया 2022’ रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 27.2 प्रतिशत थी और यह संख्या लगभग 34.5 करोड़ थी। रिपोर्ट इसे भारत के लिए ’डेमोग्राफिक डिविडेंड’ अर्थात जनसांख्यिकीय लाभांश की महत्वपूर्ण खिड़की मानती है लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल और समावेशी विकास की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

भारत ने युवाओं की क्षमता को दिशा देने के लिए राष्ट्रीय युवा नीति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्किल इंडिया, फिट इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि करोड़ों युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार की राह अभी भी असमान, अनिश्चित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। डिग्री बढ़ रही है लेकिन उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर हर युवा तक नहीं पहुंच रहे। सरकारी नौकरी की कुछ हजार सीटों के लिए लाखों आवेदन और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आने वाली अनियमितताओं ने युवाओं की बेचैनी को बढ़ाया है। यही बेचैनी हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखाई दी। 2026 में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट से जुड़े कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर युवाओं का आंदोलन धीरे-धीरे एक व्यापक शिक्षा-सुधार आंदोलन में बदलता गया।

मई में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुई यह आवाज जून-जुलाई में जंतर-मंतर तक पहुंची और बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक तथा नौकरी की तैयारी कर रहे युवा वहां जुटे। इस आंदोलन का महत्व केवल किसी एक परीक्षा की अनियमितता तक सीमित नहीं था। जंतर-मंतर पर पहुंचे युवाओं की शिकायतों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पेपर लीक, परीक्षा परिणामों में देरी, शिक्षा की बढ़ती लागत, सरकारी और निजी शिक्षा के बीच अंतर, रोजगार की चिंता और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अनेक सवाल शामिल थे। जंतर-मंतर की गूंज अब झारखंड में भी सुनाई दे रही है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

रुपया आठ पैसे टूटकर 95.38 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 11 अगस्त । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.38 पर खुला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरूआती गिरावट से रुपये पर दबाव बना रहा। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये को बल मिला, जिससे इसमें और अधिक गिरावट नहीं आई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.30 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.77 पर रहा।

कच्चे तेल में तेजी, डब्ल्यूटीआई 82.18 डॉलर तो ब्रेंट क्रूड 87.76 डॉलर

दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उठापटक जारी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण तेल की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.18 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 87.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई है। ईरान द्वारा अमेरिका से कुछ कड़ी शर्तें रखे जाने से इस अहम समुद्री मार्ग से आपूर्ति शुरू होने में देरी हो रही है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ रहा है। ईरान और ओमान के बीच नई शिपिंग लेन के समझौते को अंतिम चरण में बताया जा रहा है। हालांकि, ईरान चाहता है कि अमेरिका उसकी कुछ मांगों को पूरा करे, जिनमें मुआवजा, प्रतिबंधों को खत्म करना और सैन्य धमकियों को बंद करना शामिल है। इन्हीं मांगों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की स्थिति साफ नहीं हो पा रही है।

डेयरी किसानों को केसीसी का बड़ा सहारा, 5 साल में तीन गुना बढ़े लाभार्थी; भारत का दूध उत्पादन मांग से अधिक: मंत्री

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मंगलवार को बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत संस्थागत ऋण प्राप्त करने वाले पशुपालन और डेयरी किसानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021-22 में जहां 15.08 लाख पशुपालक किसान इस योजना से लाभान्वित हो रहे थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 50.42 लाख पहुंच गई है। इससे स्पष्ट है कि पशुपालन क्षेत्र के किसानों की औपचारिक बैंकिंग और ऋण सुविधाओं तक पहुंच तेजी से बढ़ी है।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के कारण डेयरी क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है, जिसका असर देश के दूध उत्पादन पर भी दिखाई दे रहा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल दूध उत्पादन 247.87 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो देश की अनुमानित 243 मिलियन टन की घरेलू मांग से अधिक है। इससे भारत की डेयरी आत्मनिर्भरता और उत्पादन क्षमता का पता चलता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय डेयरी उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में डेयरी उत्पादों का कुल निर्यात 407.18 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो इस क्षेत्र की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है।

राजीव रंजन सिंह ने आगे कहा कि दूध उत्पादन और पशुधन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) का विस्तार कर रही है। दिसंबर 2014 से संचालित इस योजना का उद्देश्य देशी पशु नस्लों का संरक्षण, आनुवंशिक सुधार और दूध उत्पादन बढ़ाना है।

सरकार का मानना है कि बेहतर नस्लों के विकास से प्रति पशु दूध उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। इसके साथ ही देशी नस्लों के संरक्षण से दीर्घकालिक पशुधन सुरक्षा और जैव विविधता को भी मजबूती मिलेगी।

पशुपालन क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रजनन और बेहतर चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) भी चला रही है। यह योजना वर्ष 2014-15 से लागू है। मंत्री के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास और प्रति पशु उत्पादकता बढ़ाना है। इसके तहत मांस, बकरी के दूध, अंडों और ऊन के उत्पादन में वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनएलएम का मुख्य लक्ष्य असंगठित क्षेत्र में उपलब्ध पशुधन उत्पादों को संगठित बाजार से जोड़ना और उद्यमियों के लिए आगे एवं पीछे दोनों प्रकार की आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। केंद्र सरकार पशुओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए भी व्यापक कदम उठा रही है। पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

भारत में बनीं स्कोडा कायलैक यूरोपीय बाजार में भी बनाएगी जगह

नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । स्कोडा अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी कायलैक को यूरोपीय बाजार में निर्यात करने की संभावना तलाश रही है। इस आधुनिक एसयूवी को विशेष रूप से भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है। कंपनी की योजना सफल होती है तो यह भारत में बने वाहन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। यूरोप में कायलैक, भारतीय मॉडल के 1.0-लीटर टीएसआई इंजन के बजाय, 1.5-लीटर चार-सिलेंडर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ पेश की जा सकती है। यह इंजन पहले से ही स्लाविया और कुशाक में उपयोग में है और यूरो 7 उत्सर्जन मानकों का अनुपालन करता है। भारतीय 1.0 टीएसआई इंजन को यूरो 7 के अनुरूप बनाना महंगा होगा, इसलिए 1.5 टीएसआई अधिक उपयुक्त विकल्प माना जा रहा है। कायलैक को यूरोप में फेबिया है चबैक के क्रॉसओवर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इसे यूरोपीय बाजार में उतारने के लिए सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और अन्य होमोलोगेशन मानकों को पूरा करना होगा, जिससे इसकी विकास लागत बढ़ सकती है। यह वाहन 2024 के अंत में भारतीय बाजार में लॉन्च हुआ था। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता और रुपये की यूरो के मुकाबले कमजोर स्थिति भारत से कार निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है।

मारुति ग्रैंड विटारा की घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की लोकप्रिय एसयूवी ग्रैंड विटारा ने अपनी बिक्री के 4 लाख यूनिट्स के आंकड़े को छू लिया है। अपने लॉन्च होने के बाद से लेकर जून 2026 तक इस एसयूवी ने घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि 62,500 यूनिट्स का निर्यात भी किया गया है। यह उपलब्धि ग्रैंड विटारा ने 45 महीनों में हासिल की है, जिसे मारुति के प्रीमियम नेक्सा शोरूम के माध्यम से बेचा जाता है। ग्राहक औसतन हर महीने 8,911 यूनिट्स और हर दिन लगभग 293 लोग इस एसयूवी को खरीद रहे हैं। हालांकि, 4 लाख के आंकड़े तक पहुंचने में इसे दूसरी पीढ़ी की हुंडई क्रेटा के मुकाबले 21 महीने ज्यादा लगे, जिसने यह मुकाम 25 महीनों में हासिल कर लिया था। फिर भी, ग्रैंड विटारा ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में कई रिकॉर्ड बनाए हैं; यह 1 लाख यूनिट (12 महीने में), 2 लाख यूनिट (22 महीने में, पहली पीढ़ी की क्रेटा को पीछे छोड़ते हुए) और 3 लाख यूनिट (कुल 10 महीने में 2 से 3 लाख तक) तक पहुंचने वाली सबसे तेज एसयूवी रही है। ग्रैंड विटारा अपने हाइब्रिड इंजन के लिए जानी जाती है, जो एक फुल टैंक पर 1200 किमी तक की रेंज प्रदान करती है और 27.97 किमी/लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज देती है। इसमें 1.5 लीटर का के15 माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्प मौजूद है। वित्त वर्ष 2025 ग्रैंड विटारा के लिए सबसे अच्छा साल रहा, जिसमें 1,23,946 यूनिट्स की बिक्री हुई। यह मारुति की नेक्सा डीलरशिप के जरिए बेची जाने वाली दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी है, जो मारुति फ्रोंक्स के बाद है। सुविधाओं की बात करें तो, इसमें 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स शामिल हैं।

पीएसबी कॉन्फ्लुएंस में बैंकिंग रणनीतियों पर होगा मंथन: सरकार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और प्रमुख वित्तीय संस्थानों के बीच सहयोग, विचार-विमर्श और सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार 17-18 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी में 'पीएसबी कॉन्फ्लुएंस' नामक दो दिवसीय आइडियेशन कॉन्क्लेव का आयोजन करने जा रही है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की उपस्थिति

में आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय सम्मेलन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों (पीएफआई) के शीर्ष नेतृत्व एक मंच पर आएंगे, ताकि देश की आर्थिक और सामाजिक जरूरतों के अनुरूप नई बैंकिंग रणनीतियों पर चर्चा की जा सके। इस कॉन्क्लेव में लगभग 125 वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चेयरमैन, प्रबंध निदेशक (एमडी) और कार्यकारी निदेशक (ईडी) शामिल होंगे। इसके अलावा, नाबार्ड, एक्सिम बैंक, सिडबी, एनएचबी, आईआईएफसीएल, आईएफसीआई और नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) जैसे प्रमुख वित्तीय संस्थानों के अधिकारी भी इसमें हिस्सा लेंगे।

पीएम ई-ड्राइव योजना मार्च 2028 तक बढ़ी, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर मिलेगी 5,000 रुपए तक की सब्सिडी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ई-ड्राइव (पीएम ई-ड्राइव) योजना की अवधि दो वर्ष बढ़ाकर 31 मार्च 2028 तक कर दी है। इस योजना के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (ईवी-2डब्ल्यू) की खरीद पर प्रोत्साहन राशि जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को गति देना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना और घरेलू ईवी विनिर्माण को मजबूत बनाना है। भारी उद्योग मंत्रालय के अनुसार, विस्तारित पीएम ई-ड्राइव योजना के लिए 11,900 करोड़ रुपए का कुल प्रावधान किया गया है। योजना का फोकस इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने, चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने और भारत को ईवी निर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने पर रहेगा।

नई व्यवस्था के तहत 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2028 के बीच खरीदे गए पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर खरीद प्रोत्साहन (इंसेंटिव) दिया जाएगा। सरकार ने यह प्रोत्साहन 2,500 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा (केडब्ल्यूएच) निर्धारित किया है, जिसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपए

प्रति वाहन होगी। हालांकि, इस लाभ के लिए पात्र इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन की अधिकतम एक्स-फैक्ट्री कीमत 1.5 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

सरकार ने योजना के तहत अधिकतम 45.79 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को सहायता देने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए मंत्रालय द्वारा 2,767 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

हालांकि नई योजना में मिलने वाली सब्सिडी पहले की तुलना में कम है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 5,000 रुपए प्रति केडब्ल्यूएच की दर से प्रोत्साहन दिया जाता था, जिसकी अधिकतम सीमा 10,000 रुपए प्रति वाहन थी। मंत्रालय ने कहा है कि भविष्य में ईवी की लागत में कमी को देखते हुए प्रति केडब्ल्यूएच प्रोत्साहन राशि की समय-समय पर समीक्षा की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश आफ्टर डार्क ब्लू के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

लखनऊ, यूटर्न/ 11 अगस्त । भारत की प्रमुख घरेलू अल्कोबेव कंपनियों में से एक रेडिको खेतान लिमिटेड ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश में आफ्टर डार्क ब्लू ग्रेन व्हिस्की की मजबूत वृद्धि की रफ्तार के बारे में बताया। उत्तर प्रदेश ब्रांड के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। उत्तर प्रदेश कंपनी के रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में शामिल है। बदलते उपभोग के पैटर्न के साथ शहरी और उभरते दोनों बाजारों में उपभोक्ताओं की बढ़ती आकांक्षाओं ने आफ्टर डार्क ब्लू और रेडिको खेतान के व्यापक प्रीमियम स्पिरिट्स पोर्टफोलियो की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह लॉन्च आफ्टर डार्क ब्लू के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के बाद हुआ है। ब्रांड ने वित्त वर्ष 2026 में 31 लाख से अधिक केस की बिक्री दर्ज की, जो साल-दर-साल 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा के कई रेंडर आए सामने

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

अपने लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा एसयूवी के कई रेंडर सामने आए हैं, जिसमें इसका 360 डिग्री लुक देखा जा सकता है। ये डिजाइन सीधे तौर पर एक साइंस-फाई फिल्म से प्रेरित लगता है, जो इसे मौजूदा मॉडल से पूरी तरह अलग पहचान देता है और इसे बाजार में एक अनोखी जगह देगा।

इस नए और भविष्यवादी डिजाइन की प्रेरणा नवंबर 2025 में ऑटोमोबिलिटी एलए (लॉस एंजिल्स ऑटो शो) में पेश किए गए क्रेटर कॉन्सेप्ट से मिली है। वर्तमान मॉडल की घुमावदार बॉडी पैनलिंग की जगह अब तेज और अधिक कोणीय सतहों का इस्तेमाल किया गया है, जो एसयूवी को एक मजबूत और आधुनिक स्वरूप प्रदान करता है। कार का फ्रंट फेसिया अब अधिक सीधा और थोड़ा लंबा नजर आता

है, जिससे इसकी सुरक्षा में भी सुधार होगा। इसमें पिक्सेल स्टाइल एलईडीडीआरएलएस और गहराई से लगाए गए हेडलैम्प्स दिखते हैं, जो आंशिक रूप से बंद ग्रिल के साथ एकरूपता बनाए रखते हैं। नई क्रेटा में चार पार्किंग सेंसर के साथ एक प्रमुख ब्लैक-आउट बम्पर है जिसमें हॉरिजोंटल और वर्टिकल ट्रिम इंसर्ट्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल में व्हील आर्च पर विशिष्ट कैरेक्ट लाइनें और मौजूदा मॉडल की अंडाकार इकाइयों की तुलना में अधिक चौकोर ओआरवीएम्स का उपयोग किया गया है। पीछे की तरफ, इसमें हॉरिजोंटली रखे गए स्पेसिफिक पिक्सेल शैली के टेल लैंप हैं, जो एक एलईडी लाइट स्ट्रिप और चमकदार ब्लैक ट्रिम के साथ जुड़े हुए दिखते हैं, जिससे एक कनेक्टेड प्रोफाइल बनती है।

अन्य बाहरी फीचर्स में नए एलॉय व्हील, बॉडी कलर के डोर हैंडल, ब्लैक बी पिलर्स, ढलान वाली छत, छत की रेलिंग और एक शार्क फिन एंटीना शामिल हैं। इंटीरियर में एडवांस्ड कनेक्टिविटी फीचर्स (जैसे ब्लूलिंक), लेवल 2+ एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और एक अपडेटेड हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि हुंडई अपनी अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी पर काम कर रही है, जिसे कोडनेम एसएक्स3 दिया गया है।

महिलाओं में बढ़ा सिल्वर ज्वेलरी का क्रेज, हल्के डिजाइन पहली पसंद

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

बदलते फैशन चलन के साथ महिलाओं के बीच ज्वेलरी की पसंद तेजी से बदल रही है। सोने की भारी ज्वेलरी के बजाय अब सिल्वर ज्वेलरी के हल्के और स्टाइलिश डिजाइन अधिक पसंद किए जा रहे हैं। खासकर 925 सिल्वर ज्वेलरी की मांग बाजार में काफी बढ़ी है।

युवतियां इसे कार्यालय, महाविद्यालय, समारोह और सामान्य घूमने-फिरने के लिए चुन रही हैं। गाजियाबाद के दिल्ली गेट, डासना गेट, घंटाघर और प्रमुख ज्वेलरी बाजारों में इसकी दुकानें हैं। हल्के डिजाइन वाले झुमके, अंगूठी, ब्रेसलेट, चेन, पेंडेंट और बिछुए महिलाओं की पहली पसंद बने हैं। दिल्ली गेट स्थित दुकानदार रोहन ने बताया कि पहले सिल्वर ज्वेलरी पारंपरिक आभूषणों तक सीमित मानी जाती थी। अब इसमें आधुनिक और कम डिजाइन की मांग बढ़ी है।

925 सिल्वर की खासियत और कीमत

925 सिल्वर, जिसे स्टर्लिंग सिल्वर भी कहते हैं, में 92.5 प्रतिशत शुद्ध चांदी होती है। शेष हिस्सा मजबूती के लिए अन्य धातु का होता है। बाजार में 925 सिल्वर ज्वेलरी पर हॉलमार्क या शुद्धता की जानकारी देखकर खरीदारी की सलाह दी जा रही है। इसकी कीमत डिजाइन, वजन और बनाने के शुल्क पर निर्भर करती है। छोटे ईयररिंग और अंगूठी करीब 300-800 रुपये में उपलब्ध हैं, जबकि पेंडेंट और हल्की चेन 700-2,000 रुपये में मिलती है। डिजाइनर ब्रेसलेट और अन्य आभूषण 1,000 से 3,000 रुपये या उससे अधिक तक में उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त खबरें

वाहन चोर गिरफ्तार, चार बाइकें बरामद

गाजियाबाद, यूटर्न/ 11 अगस्त । दिल्ली-एनसीआर में दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर को नगर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी निशानदेही पर चोरी की चार बाइकें बरामद की हैं। एसीपी ने बताया पकड़े गए शातिर पर 14 मुकदमे दर्ज हैं। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि कांवड़ यात्रा के मद्देनजर नगर कोतवाली पुलिस रविवार देर रात रमतेराम रोड पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान दिल्ली जूस कार्नर की ओर से एक युवक बाइक पर आता दिखाई दिया। पुलिस को देख उसने कुछ दूर पहले बाइक रोककर वापस मुड़ने का प्रयास किया। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान नंदग्राम क्षेत्र के आश्रम रोड त्यागी मार्केट निवासी 37 वर्षीय गौरव त्यागी के रूप में हुई।

सिर में छर्रा लगने से हुई किशोर की मौत, पोस्टमार्टम में हुआ खुलासा

साहिबाबाद, यूटर्न/ 11 अगस्त । अर्थला स्थित निमार्णाधीन इमारत में चोरी के संदेह में समीर की मौत बंदूक से निकले छर्रा सिर में लगने से हुई है। इस बात की पुष्टि किशोर की पोस्टमार्टम में हुई है। किशोर के सिर समेत शरीर में कई जगहों पर छर्रा लगे थे। उधर, पुलिस ने आरोपी सुरक्षाकर्मी को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी शुरू कर दी है। परिजनों ने भी अब तहरीर को फिर से बदल कर दिया है और पुलिस अब मुकदमे में धाराएं बढ़ाएगी। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस की जांच में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। किशोर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में कारतूस का छर्रा लगने से मौत की पुष्टि हुई है। परिजनों की ओर से शिकायत मिली है। मामले में समीर के परिजनों की ओर से रविवार को ही तहरीर थाने पर दी गई थी, लेकिन शिकायत में कई बातें विरोधाभासी थीं। इसके चलते परिवार ने पहली तहरीर वापस लेकर सोमवार को थाने पर दोबारा शिकायत दी है। पुलिस दूसरी तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि सुरक्षाकर्मी दो अगस्त से ही नौकरी पर आया था। उसे पता चला कि इमारत से लगातार लोहा चोरी हो रहा है। चोरी रोकने का प्रयास किया तो उसकी युवकों से झड़प भी हुई थी। चोरी करने वालों ने वहां तैनात एक गार्ड को भी ईंट मारकर घायल कर दिया था, लेकिन मामले में पुलिस से शिकायत नहीं की गई थी।

सूर्या की मां ने जताया जान का खतरा, घर और शस्त्र लाइसेंस न मिलने की दी शिकायत

खोड़ा, यूटर्न/ 11 अगस्त । सूर्या की हत्या के करीब सवा दो माह बाद अब उनकी मां सरोज देवी ने अपनी जान को खतरा बताया है। खोड़ा थाने में उन्होंने मौखिक शिकायत भी की है। सूर्या की मां का आरोप है कि 30 जुलाई को जब वह गली में टहल रही थी, तभी उन्होंने कुछ धर्म विशेष के युवकों को यह बोलते हुए सुना कि सूर्या को मार दिया, अब उसकी मां को मारना है। पीड़िता का कहना है कि युवकों ने उन्हें नहीं पहचाना, वह भी उनकी बात सुन चुपचाप घर के अंदर चली गईं।

पीड़िता मां सरोज चौहान का आरोप है कि उन्होंने पूरे मामले की शिकायत खोड़ा थाने के एसएचओ से की तो जवाब में उन्होंने कहा कि वह कोई दूध में पड़ी मक्खी की तरह नहीं है, कोई भी निकालकर फेंक देगा। यह भी कहा कि जो बीता वह एक हादसा था। मृतक की मां का कहना है कि घटना के बाद उन्होंने घर और लाइसेंसी शस्त्र की मांग की गई थी, लेकिन आज तक दोनों में से कुछ नहीं मिला है। बेटे को एजेंसी ने नौकरी जरूर दी है। सरोज का आरोप है कि उनका मामला पुलिस-प्रशासन ठंडे बस्ते में डालने में लगा है। उन्होंने बताया कि थाने स्तर पर सुनवाई न होने पर वह डीसीपी धवल जायसवाल से मिलने उनके कार्यालय भी पहुंची थी, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। वह आवास और शस्त्र लाइसेंस के लिए डीएम के यहां भी गई थीं, लेकिन वे बाहर थे। आरोप है कि उनकी सुरक्षा में भी कटौती की गई है। पहले पुलिस सुरक्षा में लगी थी, अब पीआरडी (प्रांतीय रक्षा दल) का एक जवान दिन में रहता और एक जवान रात में रहता है। वहीं, इस मामले में डीसीपी धवल जायसवाल का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी, महिला के कहे अनुसार उस दिन का मोहल्ले में लगे सीसीटीवी की फुटेज भी तलाशी जाएगी ताकि हकीकत का पता चल सके।

लोनी में निमार्णाधीन तीन मंजिला दुकान की छत गिरी, एक की मौत दो घायल

» **लोनी, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

बॉर्डर थाना क्षेत्र के गुलाब वाटिका कॉलोनी दिल्ली-सहारनपुर मार्ग स्थित हार्डवेयर की तीन मंजिला दुकान की छत सोमवार शाम करीब चार बजे भरभराकर गिर गई। हादसे में राजमिस्त्री समेत चार लोग मलबे में दब गए। दो श्रमिकों को समय रहते आसपास के लोगों ने मशक्कत से बाहर निकाल लिया। जबकि तीसरे को चार घंटे बाद एनडीआरएफ ने बाहर निकाला और उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि चौथे श्रमिक की तलाश की जा रही है। मौके पर एनडीआरएफ, नगर पालिका और अग्निशमन विभाग व पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी मलबे को हटाने में जुटे हैं। दिल्ली-शाहदरा निवासी कुनाल जैन की गुलाब वाटिका कॉलोनी में हार्डवेयर की दुकान थी और दूसरी मंजिल पर गोदाम बनाया हुआ था। तीसरी मंजिल पर गर्डर-पत्थर से दुकान की छत बना रहे थे। छत पर अजीत निवासी गुलाब वाटिका कॉलोनी दीवारों पर प्लास्टर कर रहा था। तीनों मंजिल की छत गर्डर-पत्थर से बनी थी। सबसे ऊपर वाली मंजिल की छत अचानक गिरी तो एक के बाद एक तीनों मंजिल भरभराकर गिर गईं। इस दौरान राजमिस्त्री अजीत पहली मंजिल पर दुकान में काम करने वाले मुकेश और जतिन दूसरी मंजिल पर मलबे में दब गए। जबकि चौथा श्रमिक सबसे नीचे काम कर रहा था। हादसे के बाद पास की दुकान पर काम करने वाले बाराबंकी की तहसील हेदरगढ़ के थाना कोठी के गांव बसनिक पुरवा निवासी मुकेश (20) भी दब गया। बचाने के लिए आए उनके चचेरे भाई अखिलेश भी मलबा हटाने के दौरान चोटिल हो गए। लोगों का कहना है कि एक व्यक्ति सबसे नीचे वाली मंजिल पर था और पुलिस-प्रशासन व एनडीआरएफ टीम उसकी तलाश में मलबे को हटाया जा रहा है। घटना की सूचना पर पुलिस,एनडीआरएफ, अग्निशमन विभाग और नगर पालिका टीम पहुंची। राहतकर्मियों ने बुल्डोजर और लोगों की मदद से अजीत और जतिन को मलबे से बाहर निकाला। जबकि मुकेश को चार घंटे की मशक्कत के बाद रात करीब आठ बजे मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने मुकेश को मृत घोषित कर दिया। मुकेश तीन साल से दुकान पर काम कर रहा था और चचेरे भाई अखिलेश के साथ कमरे पर रहता था।

क्षमता से अधिक रखा था दुकानों में सामान

आसपास के लोगों ने दुकान में निर्माण और सामान रखने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि तीनों तल हार्डवेयर के भारी सामान से भरे हुए थे। छत लोहे के गर्डर और पत्थर से बनी थीं। इन पर क्षमता से अधिक सामान रखा गया था। दूसरे तल की छत पर पानी की टंकी के अलावा निर्माण सामग्री भी रखी थी। इससे आशंका है कि अधिक भार होने के कारण छत गिरी थी।

चोरी करने घर में घुसा चोर छत से गिरकर घायल

लोनी, यूटर्न/ 11 अगस्त । प्रेम नगर कॉलोनी में रविवार रात चोरी करने घर में चोरी के लिए घुसा युवक छत से गिरकर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बबलू ने बताया कि शनिवार देर रात गर्मी के चलते आंख खुल गई और जब वह छत पर पहुंचे तो देखा कि पड़ोसी के बंद मकान की छत पर एक युवक खड़ा था। वह कमरे के दरवाजे के कुंडे को तोड़ने का प्रयास कर रहा था। उनके शोर मचाने पर पड़ोसी राशिद छत पर पहुंचे। दोनों के शोर मचाने पर चोर मकान की छत से गली में कूद गया और वह घायल हो गया। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि लोगों ने युवक को चोरी के आरोप में पकड़कर पुलिस को सौंपा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कारीगर ने सुपरवाइजर के गले में कैंची मारकर की हत्या

» **लोनी, यूटर्न/ 11 अगस्त ।**

ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित आई-28 गार्मेंट की फैक्टरी में सो रहे सुपरवाइजर अनवेश (42) की सोमवार दोपहर 2:30 बजे सिलाई कारीगर ने कैंची से गोदकर हत्या कर दी। फैक्टरी के दूसरे कर्मी मौके पर पहुंचे तो घटना का पता चला और करीब 40 मिनट बाद घायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी फैक्टरी से भागने में कामयाब रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया है। मृतक के परिजनों ने ट्रोनिका सिटी थाने में हत्यारोपी एटा निवासी कारीगर सर्वेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मूलरूप से रामपुर मुरादाबाद के गांव करैथी निवासी अनवेश पुत्र रामकिशन सक्सेना लोनी के पुष्प गार्डन सोम बाजार कॉलोनी में रहते थे। वह ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र गार्मेंट फैक्टरी में सुपरवाइजर थे। परिवार में पत्नी कुसुम, तीन बेटे शिवम, प्रिंस और विनीत हैं। उनके भाई राजेश ने बताया कि वह भी उसी फैक्टरी में काम करते हैं। सोमवार करीब दो बजे उन्होंने अनवेश के साथ खाना खाया था। उनके भाई नीचे वाले फ्लोर पर आराम करने चले गए और वह जब उनके पास गए तो सो रहे थे। इसके बाद वह काम पर ऊपर वाली फ्लोर पर चले गए। कुछ देर बाद फैक्टरी का कर्मचारी उनके भाई के कमरे में पहुंचा तो उनको खून से लथपथ जमीन पर पड़ा पाया गया। सूचना पर वह भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को व एंबुलेंस को फोन से सूचना दी। भाई को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उधर, सूचना पर एसीपी लोनी रामकिशन मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

तीन हजार विकास कार्यों की फाइलें खंगाल रही एसीबी, बिजली से जुड़े कुछ कार्यों में गड़बड़ी के संकेत

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 11 अगस्त**

नगर निगम के पिछले वर्षों के विकास कार्यों की जांच अब सड़क, सीवर और पानी की लाइन से आगे बढ़कर बिजली के कामों तक पहुंच गई है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) करीब तीन हजार विकास कार्यों की फाइलों को खंगाल रहा है। प्रारंभिक पड़ताल में बिजली से जुड़े कुछ कार्यों में भी गड़बड़ी के संकेत मिले हैं। इसी दौरान निगम के पास बड़ी संख्या में 36 वॉट की लाइटें भी मिली हैं जिनकी खरीद काफी समय पहले किए जाने के बावजूद अब तक इस्तेमाल नहीं होने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि लाइटों की जरूरत, खरीद, आपूर्ति, भंडारण और इस्तेमाल के बीच कितना अंतर रहा और क्यों रहा।

नगर निगम में वर्ष 2022 से 2026 के बीच कराए गए विकास कार्यों से जुड़ी करीब तीन हजार फाइलों की एसीबी जांच कर रही है। इन फाइलों में सड़क, सीवर, पानी, स्ट्रीट लाइट और अन्य विकास कार्य शामिल हैं। जांच के लिए निगम से रिकॉर्ड लिया जा चुका है। एसीबी अपनी इंजीनियरिंग विंग की मदद से दस्तावेजों और मौके की स्थिति का मिलान कर रही है। बिजली के कार्यों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, स्वीकृत काम, खरीद, आपूर्ति, इंस्टॉलेशन और भुगतान के बीच तालमेल भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।

प्रथम दृष्टि में बिजली के कुछ कार्यों को लेकर सवाल सामने आने के बाद यह पहलू अब जांच में महत्वपूर्ण हो गया है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि किसी अधिकारी, कर्मचारी या संबंधित एजेंसी को केवल प्रारंभिक जांच के आधार पर दोषी नहीं माना जा सकता। अंतिम निष्कर्ष विस्तृत जांच और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही सामने आएगा।

काफी पहले खरीदी लाइटें, अब तक इस्तेमाल नहीं

जांच के दौरान सामने आया एक महत्वपूर्ण बिंदु निगम के स्टोर में रखी 36 वॉट की लाइटों से जुड़ा है। निगम के पास इन लाइटों की बड़ी संख्या मौजूद है। बताया जा रहा है कि इनकी खरीद काफी समय पहले हो चुकी थी लेकिन अब तक इनका इस्तेमाल नहीं किया गया। यही स्थिति जांच के लिए सबसे अहम सवाल बन गई है। एसीबी यह देख सकती है कि लाइटें किस योजना या कार्य के तहत खरीदी गईं उस समय इनकी कितनी जरूरत बताई गई थी कितनी मात्रा में खरीद की गई और खरीद के बाद उन्हें कहां लगाया जाना था। इसके साथ यह भी महत्वपूर्ण होगा कि लाइटों के रखे रहने से उनकी उपयोगिता और स्थिति पर क्या असर पड़ा। यदि सरकारी धन से खरीदी गई सामग्री लंबे समय तक स्टोर में ही पड़ी रहती है तो खरीद की आवश्यकता और योजना की प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि, इन लाइटों की खरीद में किसी नियम का उल्लंघन हुआ है या नहीं इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी। एसीबी की जांच केवल बिजली के कार्यों तक सीमित नहीं है। पिछले वर्षों में नगर निगम की ओर से कराए गए सड़क, सीवर, पानी की लाइन, नाली और अन्य विकास कार्यों की फाइलें भी जांच के दायरे में हैं।

इसमें एनएचपीसी के औद्योगिक इलाके में बनी रोड के साथ एनआईटी एक नंबर में सड़क के काम की जांच की बात भी सामने आ रही है। जांच में कार्य की स्वीकृति से लेकर भुगतान तक पूरी प्रक्रिया को देखा जा रहा है। दस्तावेजों के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि काम निर्धारित मानकों के अनुसार हुआ या नहीं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

निया शर्मा का हॉट अंदाज

टेलीविजन और ओटीटी की लोकप्रिय अभिनेत्री निया शर्मा एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज और बेजोड़ फैशन सेंस के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में सामने आए उनके नए फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिसमें वे बेहद ग्लैमरस, बोल्ड और बोहो-चिक अवतार में नजर आ रही हैं। निया ने एब्स्ट्रैक्ट प्रिंटेड, भूरे और अर्थी शेड्स वाली मोनोकिनी स्टाइल ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें तेंदुए और पत्तियों के प्रिंट का मिला-जुला मिश्रण है। इस ड्रेस में गहरा प्लंजिंग वी-नेकलाइन है जिसके सेंटर में गोल्ड टोन हार्डवेयर की डिटेलिंग है, साथ ही साइड्स में डीप कट-आउट्स उनके टोंड एब्स को फ्लॉन्ट कर रहे हैं। पीछे से यह आउटफिट पूरी तरह बैकलेस है और हाल्टर-नेक स्ट्रैप्स से बंधा है। उनके इस वेस्टर्न लुक को जो चीज सबसे अलग बनाती है, वह है नाक की बारीक पतली चेन वाली नाथ, जो उनके चेहरे पर बेहद निखर कर आ रही है। इसके साथ स्लीक गोल्डन बॉडी चेन, लंबा गोल्डन नेकलेस, ईयर कफ और स्टेटमेंट रिंग्स उनके लुक को पूरा करते हैं। न्यूड मेकअप, स्मोकी आंखों और माथे पर लगी छोटी बिंदी ने उनके सन-किस्ड और ग्लोइंग अवतार को और भी उभार दिया है। निया का यह इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन लुक फैशन की दुनिया में खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

स्मृति खन्ना ने प्रदीप रावत के साथ बिताए खूबसूरत पलों को किया याद

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में दिवंगत अभिनेता प्रदीप रावत को अभिनेत्री स्मृति खन्ना ने भावुक श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साथ बिताए खूबसूरत पलों को याद किया। अभिनेत्री ने बताया कि किस तरह फिल्मों की दुनिया से शुरू हुई उनकी पहचान धीरे-धीरे एक ऐसे रिश्ते में बदल गई। स्मृति के अनुसार, प्रदीप रावत हमेशा उन्हें अपने परिवार का सदस्य मानते थे और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाते थे। स्मृति खन्ना ने अपनी पहली मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा, मेरी पहली मुलाकात प्रदीप दादा से एक पार्टी में हुई थी। हम एक दोस्त के जरिए मिले और पहली मुलाकात में ही हमारे बीच एक अद्भुत जुड़ाव बन गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद उनकी दोस्ती लगातार मजबूत होती गई और धीरे-धीरे यह एक खूबसूरत पारिवारिक रिश्ते में बदल गया। प्रदीप दादा, उनकी पत्नी कल्याणी और स्मृति का पूरा परिवार अक्सर साथ समय बिताया करता था। स्मृति ने आगे बताया कि दोनों परिवारों के बीच इतना अपनापन था कि एक-दूसरे के घर आना-जाना, साथ बैठकर खाना खाना, जन्मदिन मनाना और छुट्टियों पर जाना आम बात थी। वे घंटों तक अंताक्षरी खेलते थे, हंसते थे और खूब बातें करते थे। उनके साथ बिताया गया हर पल आज भी स्मृति की यादों में ताजा है। स्मृति ने प्रदीप रावत को केवल एक अच्छे अभिनेता ही नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों से भरपूर एक ज्ञानी इंसान भी बताया। उन्होंने कहा कि प्रदीप दादा अक्सर अपने संघर्ष, काम और जिंदगी से जुड़े किस्से सुनाते थे, जिनसे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिलता था। उनकी हर बात में सीख होती थी और उनके बीच स्नेहभरा रिश्ता था। वह कभी उन्हें अपनी छोटी बहन की तरह मानते थे तो कभी बेटी की तरह, और हमेशा प्यार, सम्मान तथा अपनापन दिया। अभिनेत्री ने प्रदीप दादा की हाजिरजवाबी की भी जमकर तारीफ की।

उनके अनुसार, प्रदीप रावत बिना किसी कोशिश के लोगों को हंसा देते थे। उनकी बातें सभी को ठहाके लगाने पर मजबूर कर देती थीं और उनमें ऐसी ऊर्जा थी कि उनके आते ही पूरा माहौल बदल जाता था। यही बात उन्हें सबसे अलग बनाती थी।

टी20 विकेटकीपरों में डी कॉक के नाम है सबसे ज्यादा शिकार

» मुम्बई, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक विकेटकीपर हुए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, से लेकर भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। वहीं अगर टी20 प्रारुप की बात करें तो डी कॉक टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की सूची में नंबर एक पर हैं। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे और धोनी तीसरे स्थान पर हैं।

डी कॉक ने अपने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर (2012-2026) में 110 मैचों की 109 पारियों में विकेटकीपिंग करते हुए कुल 117 शिकार किए हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है।

इनमें 98 कैच और 19 स्टंपिंग शामिल हैं। उनकी प्रति पारी 1.073 शिकार की औसत और एक पारी में अधिकतम चार कैच लपकने की क्षमता उनकी फुर्ती का प्रमाण है, जिसने दक्षिण अफ्रीकी टीम को कई बार जीत मिली। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे स्थान पर हैं। साल 2011 से 2026 तक के अपने लंबे टी-20 करियर में, बटलर ने 130 पारियों में विकेटकीपर के रूप में 109 शिकार किए हैं, जिनमें 87 कैच और 22 स्टंपिंग शामिल हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.838 रहा है, जो उनकी निरंतरता को दिखाता है। एक पारी में अधिकतम पांच शिकार (चार कैच और एक स्टंपिंग) उनके नाम है।

वहीं भारत के धोनी ने साल 2006 से 2019 के बीच 97 पारियों में 91 शिकार किए और इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, उनका सबसे बड़ा प्रभाव 34 स्टंपिंग के विश्व रिकॉर्ड में दिखता है, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है।

57 कैच के साथ, तेजी से स्टंपिंग करने में उनका कोई जवाब नहीं था। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.938 रहा और उन्होंने एक पारी में अधिकतम पांच कैच भी लपके थे। इसके अलावा एसोसिएट देशों के विकेटकीपरों ने भी अपने असाधारण प्रदर्शन से दुनिया को हैरान किया है। केन्या के इरफान करीम ने केवल 62 पारियों में 90 शिकार किये हैं।

आशुतोष शर्मा चोटिल, हैम्पशायर को लगा बड़ा झटका

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

भारतीय ऑल-राउंडर आशुतोष शर्मा रविवार के मैच के दौरान लगी चोट की वजह से मंगलवार को डबीशायर के खिलाफ हैम्पशायर के वन-डे कप मैच में नहीं खेल पाएंगे। हैम्पशायर ने अपने स्क्वाड की घोषणा करते हुए आशुतोष की गैरमौजूदगी की जानकारी दी। हालांकि, टीम की तरफ से आशुतोष की चोट की गंभीरता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

हैम्पशायर ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, 'आशुतोष शर्मा रविवार के मैच के दौरान लगी चोट की वजह से उपलब्ध नहीं हैं - तेज गेंदबाज हैरी पेट्री, जो इस कॉम्पिटिशन के शुरुआती तीन मैचों में खेले थे, वापस आ गए हैं।' वन-डे कप में आशुतोष का बल्ले से सीजन मिला-जुला रहा है, उन्होंने सात मैचों में सिर्फ 56 रन बनाए हैं, जिसमें उनका टॉप स्कोर 16 रन रहा है। हालांकि, गेंद से उनका प्रदर्शन उनकी क्षमता को देखते हुए असाधारण रहा है। वह हैम्पशायर के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। आशुतोष ने 15.92 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। आशुतोष की इंजरी हैम्पशायर के लिए एक बड़ा झटका है। उनकी चोट हैम्पशायर के लिए एक अहम समय पर लगी है, जो अभी सात में से चार मैच जीतकर अपने ग्रुप में चौथे नंबर पर है

टीम को अगले स्टेज के लिए क्वालीफाई करने में मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पेट्री की वापसी से हैम्पशायर को आशुतोष की जगह एक विकल्प मिल गया है। उन्होंने टूर्नामेंट के काउंटी के पहले तीन मैचों में हिस्सा लिया था। आशुतोष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए खेलते हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन में उन्होंने डीसी के लिए 170 के स्ट्राइक रेट और 31.25 की औसत से 350 से ज्यादा रन बनाए हैं। हालांकि, एक बल्लेबाज के रूप में आशुतोष को अपनी पूर्ण क्षमता के प्रदर्शन का मौका इस लीग में भी अब तक नहीं मिला है।

मैं मैनेजमेंट के लिए मुझे प्लेइंग इलेवन से बाहर रखना मुश्किल बनाता हूं: ब्यू वेबस्टर

डार्विन, यूटर्न/ 11 अगस्त । ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरूआत 13 अगस्त से हो रही है। दूसरा टेस्ट 22 अगस्त से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर का कहना है कि वह इस सीरीज को टीम में अपनी जगह पक्की करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। 32 साल के वेबस्टर ने मंगलवार को कहा, 'अपने डेब्यू के बाद से मैंने जो सबसे बड़ी बात सीखी है, वह यह है कि मैं इस लेवल पर काफी अच्छा हूं। पहले टेस्ट से पहले, सवाल था, 'क्या तुम तैयार महसूस कर रहे हो?' मैं खुद से कह रहा था 'बिल्कुल,' लेकिन आपको तब तक सच में पता नहीं चलता जब तक आप दूसरे देशों के गेंदबाजों का सामना नहीं करते और खुद को बड़ी भीड़ के साथ दबाव वाली स्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद की जाती है। पिछले 12 महीनों की सबसे जरूरी बात यही थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने रन बनाकर इस टीम में अपनी जगह बनाई। बल्लेबाज होने का मतलब है रन बनाना, और यही टीम में आने और टीम में बने रहने का मेरा तरीका रहा है। मैंने अपने पहले आठ टेस्ट में बल्ले से जो किया है, उससे शायद पता चलता है कि मुझे असली टॉप-सिक्स बैटर के तौर पर देखा जा सकता है।'

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद को कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

» दमिश्क, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और कई पूर्व अधिकारियों को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को बताया कि उन्हें विरोधियों को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखने, पूर्व नियोजित हत्या, यातना और मानवता विरोधी अपराधों का दोषी माना गया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि उनका पद सबसे ऊंचा था, लेकिन उन्होंने उसका मान नहीं रखा और कानून का उल्लंघन किया। सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (एसएएनए) ने बताया कि कोर्ट ने बशर अल-असद के ममेरे भाई और दारा शहर में पूर्व राजनीतिक सुरक्षा चीफ, अतेफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई है। पूर्व राष्ट्रपति कोर्ट में मौजूद नहीं थे फिलहाल वो रूस में निर्वासित जीवन बिता रहे हैं।

कोर्ट ने 'भगोड़े' लौए अली अल-अली, माहेर हाफिज अल-असद, फहद जस्सम अल-फ्रीज, मोहम्मद अयमान अयूश, कुसे इब्राहिम महयूब, वाफिक सालेह नासिर और तलाल फोरेस अल-अयसामी को भी सजा-ए-मौत का फरमान सुनाया।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति असद की सरकार 8 दिसंबर, 2024 को हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और उससे जुड़े आतंकी समूह के हमले के बाद गिर गई थी। सीरिया में अपनी सरकार गिरने के बाद बशर अल-असद अपने परिवार के साथ मॉस्को चले गए थे।

दिसंबर 2024 में दमिश्क छोड़ने के बाद, बशर अल-असद ने एक बयान जारी किया था। जिसमें उन्होंने रूस जाने से पहले के मुश्किल पलों का जिक्र किया। उन्होंने यह बयान सीरियन प्रेसीडेंसी के टेलीग्राम अकाउंट के जरिए जारी किया।

बशर अल-असद ने कहा कि उनके जाने की कोई योजना नहीं थी और 8 दिसंबर की सुबह तक दमिश्क में ही रहे, और अपनी जिम्मेदारी पूरी की। जब आतंकी संगठन दमिश्क में घुसे, तो उन्होंने लताकिया में शिफ्ट होने के लिए 'रूसी दोस्तों' से बात की, ताकि वहां से सैन्य अभियान जारी रखा जा सके। बयान के मुताबिक, रूस के हमीमिम एयर बेस पर पहुंचने पर, उन्हें एहसास हुआ कि सीरिया की बाकी सभी आर्मी पोजीशन खत्म हो गई थीं, और ग्राउंड फोर्स फ्रंट लाइन से हट गई थीं।

जैसे-जैसे हालात बिगड़ते गए और रूसी बेस पर ड्रोन हमले होने लगे तो मास्को ने 8 दिसंबर की शाम को तुरंत उनकी रवानगी का इंतजाम किया। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि शरण मांगने या अपनी पोस्ट छोड़ने का ख्याल पहले कभी नहीं आया, और कहा कि उनके पास लड़ाई जारी रखने का एकमात्र विकल्प यही था।

संक्षिप्त खबरें

बारिश से हाहाकारः कहीं सड़कें बनीं दरिया, कहीं टापू बने स्कूल-घर

दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त । देशभर में मॉनसून अपना विकराल रूप दिखा रहा है, जिससे कई राज्यों में भारी बारिश आफत बनकर टूट पड़ी है। पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आम जनजीवन पूरी तरह पटरी से उतर गया है। कई इलाकों में नदियां उफान पर हैं, सड़कें दरिया बन चुकी हैं और निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भारी बारिश ने कुछ ही घंटों में प्रशासन के दावों की पोल खोल दी। उत्तर और दक्षिण कोलकाता के निचले इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे सेंट्रल एवेन्यू समेत प्रमुख मार्गों पर वाहनों की रफ्तार थम गई और लंबा जाम लग गया। कई जगहों पर पानी में दुकानें और सामान तैरते नजर आए।

पाकिस्तान में चरम पर बगावत के बीच सैन्य तख्तापलट की अटकलें

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 11 अगस्त

पाकिस्तान इस समय गंभीर और चौतरफा संकट से गुजर रहा है, जिससे देश गृहयुद्ध की कगार पर पहुंच गया है। एक तरफ जहां बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ आक्रामक मोर्चा खोल रखा है, वहीं खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) लगातार सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में जनता का गुस्सा फूट पड़ा है और लोग पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं। इस अभूतपूर्व आंतरिक संकट के बीच इस्लामाबाद से लेकर रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय तक इस बात की चर्चा तेज है कि क्या सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर देश में तख्तापलट करने वाले हैं? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की लाचार सरकार से देश संभल नहीं रहा है, ऐसे में मुनीर खुद चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर बनने का मन बना सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आईएसआई मुख्यालय में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में भी इस बात पर मंथन चल रहा है कि मौजूदा राजनीतिक तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका है।

ईरान से मुआवजे की मांग पर अड़े अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सामने एक नया दांव चलते हुए उससे भारी मुआवजे की मांग की है। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में ईरान के साथ किसी भी प्रकार की शांति वार्ता तभी आगे बढ़ेगी, जब तेहरान अमेरिका की इस मांग को पूरा करेगा। इस कड़े रुख के बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कहा कि उन्हें यह विचार बेहद दिलचस्प लगा कि ईरान पिछले कुछ महीनों में हुए नुकसान के बदले मुआवजे की मांग कर रहा है। इसके जवाब में वह भी ईरान से बड़ा मुआवजा मांगेंगे। ट्रंप ने अक्टूबर 2000 में यमनी बंदरगाह पर अमेरिकी नेवी के गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस कोल पर हुए घातक बम विस्फोट का जिक्र करते हुए इसके लिए भी ईरान को जिम्मेदार ठहराया। इस पुरानी घटना में 17 अमेरिकी नाविक मारे गए थे और दर्जनों घायल हुए थे। ट्रंप ने कहा कि वह यह मुआवजा उन सभी लोगों के परिवारों के लिए मांग रहे हैं, जिन्हें ईरान समर्थित सड़क किनारे के बमों और विभिन्न हमलों में जान गंवानी पड़ी या जो गंभीर रूप से घायल हुए। इसमें जनरल सुलेमानी के कार्यकाल की घटनाएं, यूएसएस कोल के पीड़ित और पिछले 50 वर्षों में सार्वजनिक आंदोलनों के दौरान मारे गए प्रदर्शनकारियों के परिजन शामिल हैं। इसके साथ ही पिछले महीनों में प्रभावित हुए हजारों अन्य लोगों के परिवारों को भी इस मुआवजे का हकदार बताया गया है।

यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, मशिन के दौरान लगी आग

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में सोमवार शाम यूक्रेनी वायु सेना का एक मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दौरान वमिान ओडेसा क्षेत्र में हवाई लक्ष्यों को नष्ट करने के मिशन पर था। हादसे में पायलट समय रहते इजेक्ट कर गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रूसी समाचार एजेंसी 'टास' के अनुसार, वायु सेना ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम चैनल और फेसबुक पेज पर हादसे की जानकारी साझा की। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि एक मिग-29 लड़ाकू विमान दक्षिण यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यूक्रेनी वायु सेना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'फेसबुक' पोस्ट में लिखा,

''10 अगस्त, 2026 की शाम को, एयर फोर्स का एक मगि-29 फाइटर एक कॉम्बैट मिशन करते समय खो गया। पायलट ओडेसा इलाके में दुश्मन के हवाई टारगेट को नष्ट करने के लिए एक कॉम्बैट मिशन कर रहा था। शुरूआती जानकारी के अनुसार, एक एयरक्राफ्ट मिसाइल के लॉन्च के दौरान एक इमरजेंसी सिचुएशन हुई, जिसके कारण प्लेन में आग लग गई और पायलट ने कंट्रोल खो दिया, हालांकि उसने विमान को बचाने की कोशिश की। पायलट सफलतापूर्वक इजेक्ट हो गया और उसे एक चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।''

'टास' के अनुसार, वायु सेना ने बताया कि 10 अगस्त की शाम वायु सेना का एक मिग-29 लड़ाकू विमान लड़ाकू मिशन के दौरान खो गया। पायलट ओडेसा क्षेत्र में हवाई लक्ष्यों को नष्ट करने के मिशन पर था।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिसाइल दागने के दौरान किसी अज्ञात आपात स्थिति के कारण विमान में आग लग गई और वह नियंत्रण से बाहर हो गया। पायलट विमान को बचाने में सफल नहीं हो सका।

पाकिस्तान में चरम पर बगावत के बीच सैन्य तख्तापलट की अटकलें

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

पाकिस्तान इस समय गंभीर और चौतरफा संकट से गुजर रहा है, जिससे देश गृहयुद्ध की कगार पर पहुंच गया है। एक तरफ जहां बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ आक्रामक मोर्चा खोल रखा है, वहीं खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) लगातार सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है।

इसके अलावा, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में जनता का गुस्सा फूट पड़ा है और लोग पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं।

इस अभूतपूर्व आंतरिक संकट के बीच इस्लामाबाद से लेकर रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय तक इस बात की चर्चा तेज है कि क्या सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर देश में तख्तापलट करने वाले हैं? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की लाचार सरकार से देश संभल नहीं रहा है, ऐसे में मुनीर खुद चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर बनने का मन बना सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आईएसआई मुख्यालय में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में भी इस बात पर मंथन चल रहा है कि मौजूदा राजनीतिक तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका है।

बलूचिस्तान में बीएलए ड्रोन तकनीक और आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर सैन्य ठिकानों और चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) प्रोजेक्ट्स को भारी नुकसान पहुंचा रही है, जिससे पाकिस्तानी सेना बैकफुट पर आ गई है। वहीं, पीओके में दशकों के दमन के बाद जनता खुलेआम बगावत कर चुकी है। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के बढ़ते हमलों ने पाक सेना की नाक में दम कर रखा है।

कोलंबिया में भूकंपः 132 लोगों की मौत और 570 से अधिक घायल, 60 इमारतें जमींदोज, 2000 से ज्यादा लापता

» बोगोटा, यूटर्न/ 11 अगस्त ।

कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है, जिसमें अब तक 132 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 570 से अधिक लोग घायल हैं। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र राजधानी बोगोटा से करीब 280 किलोमीटर पश्चिम में चोको क्षेत्र के सैन जोस डेल पाल्मीरा के पास 107 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस विनाशकारी आपदा के कारण देश के कई हिस्सों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

भूकंप का सबसे ज्यादा असर पेरेरा शहर में देखने को मिला, जहां अकेले 60 लोगों की जान गई है। राष्ट्रपति अबेलार्दो डे ला एस्प्रिएला ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में 1,577 से अधिक रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जबकि दर्जनों इमारतें और बहुमंजिला ढांचे पूरी तरह मलबे में तब्दील हो चुके हैं। इसके अलावा, 18 स्वास्थ्य केंद्र, 52 स्कूल और काली शहर स्थित यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है, जिसके मलबे में कई मरीजों और बच्चों के फंसे होने की आशंका है। बचाव दल और सेना युद्धस्तर पर राहत कार्यों में जुटे हैं।

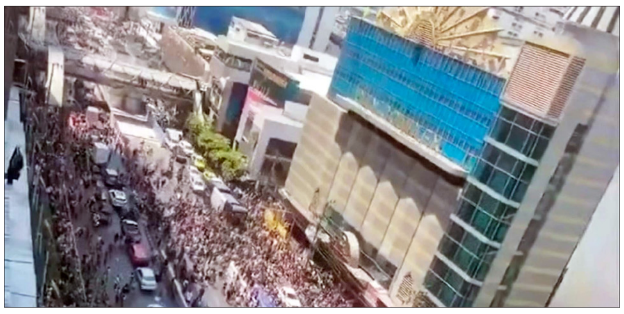

भूकंप के बाद सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच के चलते पेरेरा, मानिजालेस, आर्मेनिया और क्विबदो सहित कई प्रमुख हवाई अड्डों का संचालन सीमित कर दिया गया है, और फिलहाल उनका उपयोग केवल मेडिकल तथा आपातकालीन उड़ानों के लिए किया जा रहा है। सड़कों और परिवहन के बाधित होने से दूरदराज के इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने में भी कठिनाई आ रही है। इस संकट की घड़ी में अमेरिका ने कोलंबिया को 1.55 करोड़ डॉलर की आपातकालीन आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है, जिसका उपयोग भोजन, आश्रय और राहत कार्यों में किया जाएगा।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *